दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 17 | अंक 120 | सीकर, रविवार 28 जून 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

वृंदावन में राप्रा विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण

विजेन्द्र सिंह लमोरिया

चिड़ावा (नवयत्न)। भड़ौंदा कलां के गांव वृंदावन में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया। इस भवन का निर्माण कानपुर प्रवासी सज्जन कुमार दैंगला ने अपने दिवंगत माता-पिता घनश्याम दास दैंगला एवं भगवानी देवी दैंगला की स्मृति में करवाया है। लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी समिति सदस्य विश्वंभर पूनिया, प्रवक्ता राजकुमार मूंड, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, बिहारीजी सेवा सदन के ट्रस्टी रामोतार जालान, कानपुर निवासी भामाशाह मनोज कुमार दैंगला, अंजू गोयनका, पंस सदस्य राजश्री, प्रशासक सुरेंद्र झाझड़िया, मैनेजर राजेंद्र शर्मा, प्रधानाध्यापक शीशराम झाझड़िया और वरिष्ठ अध्यापक रतिराम धींवा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में बिहारी जी सेवा सदन द्वारा अतिथियों का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद शिक्षा विभाग व जनप्रतिनिधियों ने सरस्वती पूजन कर दीप प्रज्वलित किया और सभा को संबोधित किया। नवनिर्मित विद्यालय भवन का मनोज दैंगला और अंजू गोयनका ने रिबन काटकर उद्घाटन किया, इसके बाद विधायक राजेंद्र भांबू ने शिलालेख का अनावरण कर भवन को स्कूल प्रशासन को सुपुर्द किया। कार्यक्रम के समापन पर सेवा सदन की ओर से आगंतुकों के लिए भोजन व मिठाई की व्यवस्था की गई।

हरियाली रथ को दिखाई हरी झंडी

गांव-गांव पहुंचकर देगा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विजेन्द्र सिंह लमोरिया

चिड़ावा (नवयत्न)। पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं घटते भू-जल स्तर को बनाए रखने के उद्देश्य से रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान चिड़ावा द्वारा संचालित हरियाली रथ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रबंधक भूपेन्द्र पालीवाल ने संस्थान कार्यालय से हरियाली रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हरियाली रथ आगामी दिनों में झुंझुनू जनपद के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक करेगा। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को पौधरोपण के लिए प्रेरित करना तथा वर्षा जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण के माध्यम से जल संकट के समाधान में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। हरियाली रथ की पहली यात्रा गिडानिया गांव पहुंची, जहां मेघवाल मुक्ति धाम परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कृषि अधिकारी अखिल कालेर रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान एवं कैप्टन रामेश्वर लाल के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस दौरान ग्रामीणों की सहभागिता से 270 पौधे लगाए गए, जिनमें नीम, करंज, सहजन, अर्जुन सहित विभिन्न छायादार एवं पर्यावरण हितैषी प्रजातियां शामिल थी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते पर्यावरणीय संकट एवं घटते भू-जल स्तर को देखते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करना समय की आवश्यकता है।

गणेश नाथ आश्रम प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर संतों का हुआ सम्मान

निसं

मुकुन्दगढ़ (नवयत्न)। फूसकानी स्थित गणेशनाथ आश्रम वार्षिक भण्डारा एवं प्राण प्रतिष्ठा दिवस श्रद्धा के साथ मनाया गया। आश्रम की रंग बिरंगी रोशनी एवं फूल मालाओं से सजावट की गई। आश्रम के पंथ आई के महंत योगी चंद्र प्रकाश नाथ एवं योगिनी रिद्धि नाथ अंजू बाई के सानिध्य में पूजा अर्चना कर, महा आरती कर ज्योत लेकर भंडारा शुरू हुआ जिसमें संतों को भोजन प्रसादी खिलाई गई। दक्षिणा भेंट कर संतों का सम्मान कर विदाई दी गई। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने प्रसादी गृहण की। शुक्रवार रात्रि को विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें चिराणा के गायकार सुभाष ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतिया देकर समा बांधे रखा। श्रद्धालुओं ने देर रात तक आश्रम में धोक लगाकर मनोकामनाएं मांगी। इस अवसर पर राधेश्याम शर्मा, शिशुपाल धायल, जीताराम ऐचरा, प्यारे लाल स्वामी, रामचंद्र सैन, घनश्याम सिंह राजावत, सागरमल भूकल, शीशराम, सतबीर शेखावत, आदित्य, भागचंद भूकल, डॉ राजेन्द्र भूकल, दिनेश, सुभाष स्वामी, कृष्ण, हर्षित, रमन ऐचरा, दिनेश धायल, विजेश, नरेश धायल, संजय पंवार, श्यामलाल जांगिड़, विजय सिंह राजपुरोहित, मनोहर सिंह चम्पावत, सुरेश प्रजापत, जगदीश शर्मा, भगीरथ सुथार, फौजी प्रदीप धायल सहित बड़ी संख्या में श्रदालु मौजूद रहे।

एमएसएमई, हस्तशिल्प, स्टार्टअप एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

33 लाख से अधिक एमएसएमई के साथ राजस्थान देश का चौथा सबसे बड़ा राज्य : मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रदेश की आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता के आधार हैं। राज्य सरकार युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा विकास और विरासत के समन्वय के साथ राजस्थान को देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों, प्रयासों एवं हमारे उद्यमियों के साहस, आत्मविश्वास और कर्मठता के चलते 33 लाख से अधिक एमएसएमई उद्यमों के साथ राजस्थान आज देश का चौथा सबसे बड़ा एमएसएमई राज्य बन गया है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार उद्योगों और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट ने प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास का एक नया विश्वास स्थापित किया है।

एक साल में 1600 से अधिक औद्योगिक भूखंड आवंटित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा उद्योगों हेतु भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डायरेक्ट अलॉटमेंट पॉलिसी-2025 लागू की गई है, जिसके चलते पिछले एक वर्ष में राज्यभर में 1600 से अधिक औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया गया है। वहीं, 23 प्राथमिक क्षेत्रों में जरूरी सुधार लागू किए हैं। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में एमएसएमई इकाइयों के लिए लैंड यूज अप्रूवल की समय-सीमा 60 दिनों से घटाकर 30 दिन, उद्योग शुरू करने में दी जाने वाली स्वीकृति जारी करने की समय-सीमा 120 दिनों से घटाकर 30 दिन कर दी गई है।

इसी प्रकार गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की व्हाइट कैटेगरी सूची को 104 से बढ़ाकर 877 उद्योगों तक विस्तारित किया है, जिससे हजारों एमएसएमई को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राज्य में सोलर पैनल मैन्यूफैक्चरिंग पार्क, सिरेमिक पार्क, डाटा सेंटर पार्क और डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग पार्क जैसे नए औद्योगिक केंद्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकसित ग्राम-वार्ड अभियान के माध्यम से विकास का रोडमैप तैयार कर रही है। इसके माध्यम से हर जिले में स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने की अहम घोषणाएं

- हस्तशिल्पियों, बुनकरों एवं सूक्ष्म उद्यमों के उत्पादों के लिए पीपीपी मॉडल पर हाटों का विकास एवं संचालन, पहले चरण में पुष्कर, नाथद्वारा, जैसलमेर और अलवर में हाटों का होगा विकास
- पंच गौरव योजना में चिन्हित प्रजातियों एवं वनस्पति संबंधी प्रसंस्करण इकाइयों को वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना में वित्तीय सहायता
- रिप्स में एमएसएमई के लिए कैपिटल सब्सिडी की अवधि 10 वर्ष से घटाकर 7 वर्ष
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए मैन्यूफैक्चरिंग पैकेज के तहत चयनित कंपोनेंट श्रेणियों के लिए रिप्स-2024 में न्यूनतम निवेश की सीमा घटाकर 15 करोड़ रुपये
- वर्तमान में रिप्स-2024 के अंतर्गत अधिकतम 3 चरणों में निवेश की अनुमति है। अब भारत सरकार की ईसीएमएस योजना के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं को 5 चरणों में निवेश की अनुमति
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कौशल एवं प्रशिक्षण के लिए महिला एवं दिव्यांग कार्मिकों का अधिकतम भत्ता 4 हजार से बढ़ाकर 6 हजार रुपये प्रतिमाह
- राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड के माध्यम से इस वर्ष 25 नए स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

वेनेजुएला में फिर भूकंप के झटके, अब तक 920 मौतें

करीब 3300 घायल, 51 हजार लापता; लोग खुद मलबा हटाकर अपनों को तलाश रहे

कराकस, वेनेजुएला।

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए। इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

राष्ट्रपति की लोगों से अपील- राहत कार्य में बाधा न डालें

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को लोगों से अपील की कि वे फिलहाल ला गुआइरा राज्य न जाए, क्योंकि वहां भूकंप के बाद बचाव अभियान चल रहा है।

सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति हर्मिनी ने एयरपोर्ट पर किया गर्मजोशी से स्वागत

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय दौरे के लिए सेशेल्स पहुंच चुके हैं। सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति की तरफ से गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद किया। पीएम मोदी को वहां देखकर भारतीय समुदाय के लोग उत्साहित नजर आए। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की और हाथ मिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

सेशेल्स पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, एयरपोर्ट पर डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के गर्मजोशी से स्वागत के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। सेशेल्स एक कीमती समुद्री साझेदार और हिंद महासागर में एक करीबी दोस्त है। हमारे पुराने संबंधों को और मजबूत करने और हमारे देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग बढ़ाने के मकसद से एक अच्छे दौरे की उम्मीद है।

इससे पहले जब सेशेल्स की पर्यटन और संस्कृति मंत्री अमांडा बर्नस्टीन से पूछा कि क्या भारत सेशेल्स के खास टूरिज्म मार्केट में से एक बन रहा है और क्या पीएम मोदी के दौरे से भारतीय पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी, तो उन्होंने कहा, हां, हमें ऐसी उम्मीद करनी चाहिए। हम भारतीय समुद्र साझा करते हैं। हम इस इलाके में साझेदार हैं और मुझे लगता है कि अगर किसी को नहीं पता कि हम कितने करीब हैं, तो हम भारत से सिर्फ चार घंटे दूर हैं। उन्होंने कहा, हम बहुत करीब हैं। हम एक वीजा-फ्री डेस्टिनेशन भी हैं, जो मुझे लगता है। लोगों को यह दिखाने में मदद करेगा कि सेशेल्स आना और हमारे क्रियोल संस्कृति का अनुभव करना कितना शानदार मौका है, जिसमें भारतीय प्रभाव भी बहुत है और यह इस संस्कृति का हिस्सा भी है। उनके लिए तारीफ करने और आकर देखने के लिए बहुत कुछ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने से पहले ब्यू वैलोन और विक्टोरिया में कई जगहों पर उनके स्वागत में पोस्टर और तिरंगा झंडा लगाए गए हैं। इससे पहले सेशेल्स के लिए रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सेशेल्स के लिए निकल रहा हूं, जहां मैं उनके राष्ट्रीय दिवस समारोह में हिस्सा लूंगा। इस साल, यह और भी खास है क्योंकि यह स्वर्ण जयंती समारोह है। पीएम मोदी शनिवार से सेशेल्स के तीन दिनों के राजकीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे हैं। वे देश के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। सेशेल्स के दौरे को लेकर पीएम मोदी ने कहा, रिपब्लिक ऑफ सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर मैं 27-29 जून 2026 तक सेशेल्स का राजकीय दौरा करूंगा, ताकि सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हो सकूं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों को तोड़े जाने के विरोध में 1 जुलाई को महापड़ाव व धरना

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। बीकानेर और इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में केन्द्र एवं राज्य सरकार के निर्देश पर प्रशासन द्वारा 20 जून को बिना किसी पूर्व सूचना व कानूनी प्रक्रिया के धार्मिक स्थलों को ढाहे जाने के विरोध में आगामी 1 जुलाई 2026 को सुबह 110 बजे से कर्मचारी मैदान जिला कलेक्ट्री परिसर, बीकानेर पर एक विशाल एवं शांतिपूर्ण गांधीवादी महापड़ाव व धरना आयोजित किया जा रहा है।

जिसमें जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से हजारों की संख्या में छत्तीस कौम के लोग शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के संबंध में विचार विमर्श हेतु आज गोविन्दराम मेघवाल पूर्व मंत्री के निवास पर बीकानेर जिले के जनप्रतिनिधि एवं कार्यकताओ की बैठक आयोजित की गई। जिसमें नाजू खां, महमूद खा गंगाजली, लतीफ खां गंगाजली ,शकील खान, मुमताज कंकराला, खालक खां, कमल मेघवाल, कालू खां, फारूक, जाफर खां, युनुश खां, युसुफ सियासर, मुकेश बजाज पूगल, मुनीर खा बल्लर, रजाक खां बरजू, रियाज, मुनीर खां, रोशन दैया दन्तौर, राजेन्द्र सहारण, राजेन्द्र जांगू, सत्तार खां, गुलाम सदीक, लालाराम, असगर अली, श्यामू खां गंगाजली, मालाराम मुंड, कश्मीर खां, मुनीर खां, लियाकत दहिया, हासम खां आरिफ खां उपस्थित रहे। बैठक पश्चात माननीय राजस्थान सरकार को जिला कलेक्टर, बीकानेर के माध्यम से एक विस्तृत ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट बीकानेर को व्यक्तिश: दिया जाएगा।

कोबरी-सार

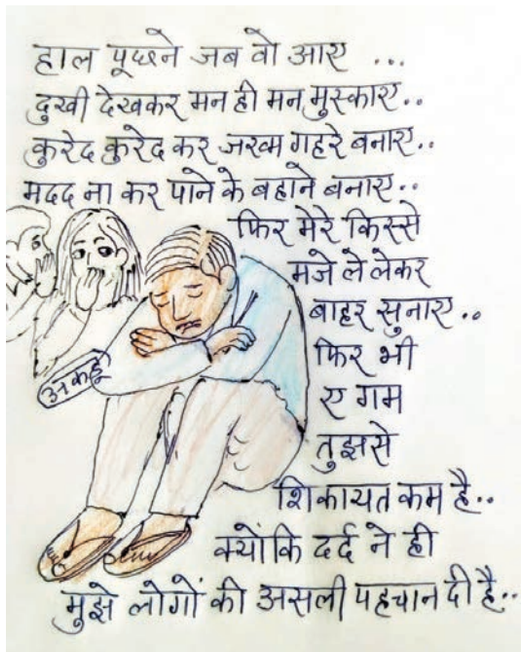

एसएस मोदी विद्या विहार में व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व क्षमता प्रेरणादायी सेमिनार आयोजित

सुरेन्द्र शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। जिला मुख्यालय स्थित एस एस मोदी विद्या विहार में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक प्रेरणादायी सेमिनार का आयोजन किया गया। विद्यालय समन्वयक मनीष अग्रवाल व प्राचार्य विजय मसीह ने मुख्य वक्ता श्रेया टीबड़ेवाल का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

अनिल शर्मा ने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए बताया कि कार्यक्रम की मुख्य वक्ता कक्षा 9 की छात्रा, युवा लेखिका एवं मोटिवेशनल स्पीकर श्रेया टीबड़ेवाल है। जिसमें उद्यमियों एवं सफल व्यक्तित्वों के 17 प्रेरक जीवन प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया है। उनकी पुस्तक को प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा एवं वरिष्ठ पत्रकार-उद्योगपति विजय दर्डा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की सराहना प्राप्त हो चुकी है। श्रेया ने लगभग 45 मिनट तक चले संवादात्मक एवं प्रेरक सत्र में विद्यार्थियों से आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, बड़े सपने देखने तथा चुनौतियों का डटकर सामना करने जैसे विषयों पर चर्चा की। अपने उद्बोधन में श्रेया ने बच्चों को बताया कि हमें कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। जीवन में चुनौतियाँ जो मिले उनमें सही निर्णय लें और साहस से आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि चुनौतियों में भी अवसर छिपा रहता है, अपने अवसर को पहचाने और मंजिल की ओर बढ़े। उन्होंने अपनी पुस्तक में लिखे प्रसंगों के अनुभवों और वास्तविक जीवन के प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया कि कठिन परिस्थितियाँ ही सफलता की मजबूत नींव बन सकती हैं। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। हनुमान व जामवंत का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि हम सभी के जीवन में माता-पिता व मित्र, अध्यापकों के रूप में कोई न कोई मार्गदर्शक होता है जिस पर विश्वास किया जाए। इसलिए अपनी शक्ति को पहचाने और आगे बढ़े।

जीवन में संघर्ष तो रहेगा इसका उदाहरण सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के रूप में दिया जिन्होंने इतना बड़ा मुकाम हासिल किया है। व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों ने सवाल पूछे जिनके उनको प्रेरक उत्तर मिले। श्रेया की माताजी ने भी बच्चों को बताया अगर इरादा पक्का हो तो हम हर कार्य सरलता से कर सकते हैं चाहे कितनी भी चुनौतियाँ हों। विद्यालय समन्वयक मनीष अग्रवाल ने बाल लेखिका के विचारों की सराहना करते हुए बच्चों को बताया कि अपना लक्ष्य निर्धारित करें और सही मंजिल की ओर सही निर्णय लेते हुए आगे बढ़े। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया गया। प्राचार्य विजय मसीह ने कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता श्रेया टीबड़ेवाल का आभार व्यक्त किया। बालकों को प्रेरित किया और नियमित अध्ययन व समय के सदुपयोग से अपने लक्ष्य को पाने की बात कही। विद्यालय समन्वयक मनीष अग्रवाल व प्राचार्य विजय मसीह ने स्मृति-चिह्न भेंट किया। विद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के प्रेरक कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को नई दिशा प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों ने भी इस प्रेरक सत्र को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया। मुम्बई प्रवासी ट्रस्टी शशिकांत मोदी, गीलूराम मोदी, सौरभ मोदी, प्रियंक मोदी व कनिका मोदी ने कार्यक्रम के सफल समापन पर शुभकामनाएँ प्रेषित की।

आयशर प्रो एक्स डीलरशिप का हुआ शुभारम्भ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड (वीईसीवी) के बिजनेस यूनिट आयशर ट्रक्स एंड बसेज ने अपने नए आयशर प्रो एक्स स्मॉल ट्रक श्रृंखला के लिए जयपुर के सीकर रोड स्थित विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में सनशाइन ऑटो व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड की अत्याधुनिक 3एस (सेल्स, सर्विस और स्पेयर) डीलरशिप का शुभारंभ किया। 8600 वर्ग फीट में विकसित इस सुविधा में सर्विस बे, विशाल डिस्प्ले एरिया, ग्राहक व चालक लाउंज, डिजिटल डिस्प्ले और विशेष उपयोगिता क्षेत्र उपलब्ध हैं। वीईसीवी के एससीवी-सेल्स एंड मार्केटिंग एवं एसवीपी अभिषेक चौधरी ने कहा कि आयशर प्रो एक्स रेंज आधुनिक लास्ट माइल लॉजिस्टिक्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। इसमें ईंधन-कुशल पावरट्रेन, 100 प्रतिशत कनेक्टेड वाहन और विभिन्न कॉन्फिगरेशन विकल्प उपलब्ध हैं, जो ग्राहकों के लिए लाभदायक व्यावसायिक समाधान प्रदान करते हैं। कस्टमर सर्विस एवं नेटवर्क स्ट्रेटेजी के एसवीपी सुमित देवन ने बताया कि जयपुर एक प्रमुख औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स हब है। नई डीलरशिप तेज सेवा, बेहतर अपटाइम सपोर्ट और निर्बाध खरीद अनुभव प्रदान करेगी। यह सुविधा इंजीनियरिंग, ऑटो पार्ट्स, स्टील, एफएमसीजी, टेक्सटाइल, पैकेजिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के प्रमुख क्लस्टरों के निकट स्थित है। डीलरशिप में इंटरैक्टिव कस्टमाइजेशन जोन, प्रशिक्षित तकनीशियन, आधुनिक सर्विस टूल्स, ईवी चार्जिंग सुविधा, समर्पित ईवी सर्विस बे, प्रशिक्षित ईवी मैकेनिक, घर-घर सेवा देने वाली ईओएस वैन एवं बाइक तथा जीपीएस आधारित ब्रेकडाउन सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों और फ्लीट संचालकों को तेज, विश्वसनीय और आधुनिक परिवहन समाधान उपलब्ध कराना है।

जयपुर समेत पांच शहरों में होंगे कुकिंग ऑडिशन

महिलाओं को मिलेगा किचन क्वीन बनने का मौका

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान की समृद्ध पाक परंपरा और महिलाओं की पारंपरिक पाक-कला को नई पहचान देने के उद्देश्य से उमंग टुडेज विमेन द्वारा नीलम स्टेनलेस स्टील के सहयोग से राज्य की सबसे बड़ी कुकिंग प्रतियोगिता शिकचन क्वीन ऑफ राजस्थान का आयोजन किया जाएगा। महाराष्ट्र में मिली सफलता के बाद यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता पहली बार राजस्थान में आयोजित हो रही है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य राज्यभर की प्रतिभाशाली महिलाओं को अपनी पाक-कला प्रदर्शित करने का अवसर देना, उन्हें राज्यस्तरीय पहचान दिलाना तथा राजस्थान की समृद्ध खान-पान संस्कृति और पारंपरिक व्यंजनों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। प्रतियोगिता पूरी तरह शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों पर आधारित होगी। इसमें दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी, केर-सांगरी, बाजरे के पारंपरिक व्यंजन, मिठाइयों सहित राजस्थान की विरासत से जुड़े पारंपरिक व्यंजनों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतिभागियों का मूल्यांकन स्वाद, प्रस्तुति, मौलिकता, पारंपरिकता और व्यंजन की सांस्कृतिक विरासत के आधार पर किया जाएगा। उमंग टुडेज़ विमेन की ट्रस्टी एवं चीफकम्युनिटी ऑफिसर निकिता ने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल कुकिंग प्रतियोगिता नहीं बल्कि उन महिलाओं के लिए सशक्त मंच है, जिनके हाथों का स्वाद वर्षों से परिवारों की पहचान रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल से महिलाओं को राज्यस्तरीय पहचान मिलने के साथ राजस्थान की समृद्ध पाक विरासत को भी नई पहचान मिलेगी। प्रतियोगिता के ऑडिशन जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा और अजमेर में आयोजित किए जाएंगे। प्रतिभागी अपने घर पर तैयार व्यंजन विशेषज्ञ निर्णायकों के समक्ष प्रस्तुत करेंगी। प्रत्येक शहर से पांच श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन कर कुल 25 फाइनलिस्ट ग्रैंड फिनाले में किचन क्वीन ऑफ राजस्थान के खिताब के लिए मुकाबला करेगी। ग्रैंड फिनाले में शीर्ष तीन विजेताओं को किचन क्वीन ऑफ राजस्थान का सम्मानजनक खिताब प्रदान किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक विजेता को 10 हजार रुपये मूल्य के आकर्षक गिफ्ट हैम्पर से सम्मानित किया जाएगा।

अशोक नगर तिबारा पर रोडवेज प्रार्थना बस स्टैंड की स्वीकृति

ग्रामीणों ने मिठाई बाटकर मनाई खुशी

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड के बबाई स्थित अशोक नगर तिबारा को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा प्रार्थना बस स्टैंड के रूप में स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। इस उपलब्धि पर शनिवार को ग्रामीणों ने बबाई बाइपास पर एकत्र होकर मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया और वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर एक-दूसरे को बधाई दी। जानकारी के अनुसार राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम मुख्यालय जयपुर के कार्यकारी निदेशक यातायात विनोद पुरोहित ने आदेश जारी कर खेतड़ी-नीमकाथाना मार्ग पर स्थित बबाई के अशोक नगर तिबारा को निगम की संचालित बसों के लिए प्रार्थना बस स्टैंड घोषित किया है। इस निर्णय से क्षेत्र के लोगों को रोडवेज बसों की सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा और यात्रियों को आवागमन में काफी राहत मिलेगी। इस अवसर पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामावतार सैनी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटी और निर्णय का स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि अशोक नगर तिबारा पर बस स्टैंड की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अब स्वीकृति मिलने से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, महिलाओं, बुजुर्गों और आसपास के गांवों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा सड़क पर बसों के रुकने से क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। सभी ने राज्य सरकार और रोडवेज प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही इस बस स्टैंड पर नियमित रूप से रोडवेज बसों का ठहराव शुरू होगा, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इस मौके पर कांग्रेस ब्लॉक उपाध्यक्ष हजारीलाल सैनी, राकेश सैनी, बजरंग लाल सैनी, बालचंद सैनी, घीसाराम, बलवीर सिंह, रूपचंद ताखर, मदनलाल, नानूराम, जयसिंह, भंवरलाल, सचिन कुमार, अमित कुमार, बलाराम, शीशराम, बंशीधर, अनिल कुमार, बिल्लू ताखर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बाबा बुटीनाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित, कलश यात्रा से गूंजा गांव

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। ढाणी हुकमा स्थित बोराली जोहड़ी में शनिवार को बाबा बुटीनाथ मंदिर में प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा समारोह श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण देखने को मिला। समारोह के तहत महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों के बीच यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर चिड़ावा रोड, देवीपुरा, खातियों की ढाणी सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई वापस मंदिर पहुंची। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों ने भाग लिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु बाबा बुटीनाथ के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े, जिससे पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। इस दौरान जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना के बाद बाबा बुटीनाथ की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। विद्वान आचार्यों ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करवाते हुए श्रद्धालुओं को धर्म और संस्कृति के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और बाबा बुटीनाथ के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र में खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि बाबा बुटीनाथ मंदिर क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में दूर-दराज के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में भाग लेते हैं।

प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सफल आयोजन से पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा। इस मौके पर रूकमानंद, ख्यालीराम, ईश्वर धायल, अनिल धायल, हरिसिंह, मालाराम, राधेश्याम, गिरधारी लाल, केदारमल, बाबूलाल शर्मा, महावीर सेन, संदीप धायल, दारासिंह, बबली, सत्यनारायण, अनिल जांगिड़, जयपाल, कमला देवी, सुनीता, किरण, सपना, संजू, रामकला, भतेरी देवी, विमला देवी, संतरा देवी, संतोष देवी, सुमित्रा देवी, उषा, कमलेश, रेखा देवी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

संयुक्त निदेशक ने चिकित्सा संस्थानों का किया निरीक्षण

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक एवं राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के परियोजना निदेशक डॉ सत्यनारायण धौलपुरिया ने शनिवार को जिले के चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा और प्रभारी अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरोही और गुहाला का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पतालों के वार्ड में और ओपीडी रोगियों के लिए की गई व्यवस्थाएं, स्टॉफ की उपस्थिति, जांचों की स्थिति, उपकरणों का रखरखाव, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के प्रबंध, दवाइयों की उपलब्धता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान उनके साथ नीमकाथाना जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ कमल सिंह शेखावत, नीमकाथाना खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। संयुक्त निदेश डॉ धौलपुरिया ने बरसात के मौसम को देखते हुए अस्पतालों के छत की सफाई करवाने तथा भवन की स्थिति, फायर सैफ्टी उपकरण, इलेक्ट्रिक ऑडिट, दवाइयों की उपलब्धता, दवाइयों का रखरखाव, क्रय की गई दवाइयों की लैब में जांच करवाने, खरीदी गई दवाइयों की आईएचएमस पोर्टल पर इंद्राज करने के निर्देश दिए।

शहरी सेवा शिविर का जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी नगरपालिका परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का जिला कलेक्टर ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिला कलेक्टर डॉ अरूण गर्ग ने शिविर में पहुंचे नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य आमजन को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है, जिससे लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें और समय व धन दोनों की बचत हो सके। शिविर में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र पट्टा संबंधी कार्य, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, राजस्व एवं अन्य जनहित से जुड़े कार्यों का निस्तारण किया गया। बड़ी संख्या में नागरिकों ने शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाया तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखा जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर डॉ गर्ग ने बताया कि शहरी सेवा शिविर का मुख्य उद्देश्य विभिन्न सरकारी सेवाओं को एक छत के नीचे उपलब्ध कराकर नागरिकों को सुविधाजनक एवं पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है। शिविर के सफल आयोजन में नगरपालिका कर्मचारियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। इस मौके पर एसडीएम सुनील कुमार चौहान, तहसीलदार सुनील कुमार मील, ईओ नागरमल गुर्जर, सुखराम गुर्जर, संदीप शर्मा, नरेश कुमार, एसआई सुनील सैनी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

श्रमिक की कार्य करते समय नीचे गिरने पर मौत

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। बीकानेर में टीन शेड पर कार्य करते समय ऊंचाई से गिरने से एक 28 वर्षीय श्रमिक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जेएनवीसी थाना पुलिस के अनुसार नोखा की कानपुरा बस्ती निवासी राजूराम ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका भाई कालूराम 21 जून की सुबह कांता खतुरिया कॉलोनी स्थित बी-112 मकान में फुसाराम प्रजापत के यहां टिन शेड लगाने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। घायल अवस्था में मकान मालिक उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

स्नान पूर्णिमा पर गोविंद देवजी मंदिर में होंगे ज्येष्ठाभिषेक के अलौकिक दर्शन

निसं

जयपुर (नवयत्नर)। राजधानी के आराध्य देव श्री गोविंद देवजी महाराज के मंदिर में 29 जून को स्नान पूर्णिमा के पावन अवसर पर ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा द्वितीय ज्येष्ठ शुक्ल 15 के उपलक्ष्य में परंपरागत ज्येष्ठाभिषेक महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आयोजित किया जाएगा।

मंदिर प्रशासन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्रीमन्माधव गौड़ेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में भगवान गोविंद देवजी महाराज का पंचामृत अभिषेक एवं विशेष दर्शन होंगे। मंदिर प्रशासन के अनुसार मंगला झांकी के बाद ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया जाएगा। इसके पश्चात भगवान को सफेद धोती-दुपट्टा धारण कराया जाएगा तथा फूलों से बने अलंकार, मुकुट एवं छड़ी से विशेष श्रृंगार किया जाएगा। ज्येष्ठाभिषेक के शुभ अवसर पर निज मंदिर को आम के पत्तों की बंदनवार से आकर्षक रूप से सजाया जाएगा। राजभोग झांकी में प्रात: 11:15 बजे से 11:45 बजे तक श्रद्धालुओं को ज्येष्ठाभिषेक झांकी के दर्शन कराए जाएंगे। इस दौरान ठाकुर श्रीजी एवं राधा रानी के करकमलों में सोने की पिचकारी सुशोभित रहेगी। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए भगवान को शीतलता प्रदान करने के लिए खरबूजा, तरबूज सहित ऋतु फलों, सिकरन, पूड़ी, पांच प्रकार की दाल का भिजौना, कचौरी, आमरस, ठंडाई, मठरी तथा सलोनी का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा।

दर्शन पुन: खुलने पर कमलाकार सिंहासन में विराजित ठाकुर श्री गोविंद देवजी महाराज एवं राधा रानी के समक्ष पंचामृत अभिषेक के दर्शन होंगे। इस दौरान पांच वैदिक ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार किया जाएगा। महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में युगल सरकार का पंचामृत अभिषेक संपन्न होने के बाद श्रद्धालु महाआरती के दर्शन का लाभ प्राप्त करेंगे।

राजस्थानी साहित्यकार अड़ावतिया का निधन

विजेंद्र सिंह लमोरिया

चिड़ावा (नवयत्न)। चिड़ावा निवासी और हाल नागदा प्रवासी राजस्थानी भाषा के साहित्यकार बृजेंद्र अड़ावतिया बिरजू का शनिवार सुबह मध्यप्रदेश के नागदा में निधन हो गया। वे 85 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र के साहित्यिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके द्वारा राजस्थानी भाषा में अनुवादित की गई श्रीमद्भागवत गीता का प्रकाशन पिछले वर्ष ही हुआ था, जिसे साहित्य प्रेमियों द्वारा काफी सराहा गया। शेखावाटी एक्सप्रेस के संपादक बृजेन्द्र अड़ावतिया का जन्म 27 जुलाई 1941 को हुआ था। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में वे नागदा में रह रहे थे, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। बृजेंद्र साहित्यकार डॉ ओमप्रकाश पचरंगिया के मामा थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिचितों, पत्रकारों और साहित्यकारों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े जासूसी मामले की आरोपी बबीता को भेजा न्यायिक हिरासत में

निसं

जयपुर (नवयत्नर)। प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े जासूसी एवं संदिग्ध आतंकी गतिविधियों के मामले में गिरफ्तार आरोपित महिला बबीता धाकड़ को सात दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शनिवार को अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-11, जयपुर महानगर द्वितीय की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए।

कोर्ट में पेशी के दौरान आरोपित महिला मीडिया से बचने के लिए मुंह छिपाकर तेजी से कोर्ट परिसर में जाती दिखाई दी। राजस्थान एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड एटीएस ने मिलिट्री इंटेलिजेंस से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपित महिला बबीता धाकड़ को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि आरोपित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक हैंडलर के संपर्क में थी और संगठन के लिए स्लीपर सेल के रूप में सक्रिय होने की तैयारी कर रही थी। वह संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए देश से बाहर जाने की फिराक में थी, लेकिन उससे पहले ही एटीएस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एटीएस के पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के अनुसार आरोपित महिला सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिबंधित संगठन के हैंडलर के संपर्क में आई थी। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि उसके संबंध अन्य प्रतिबंधित संगठनों से भी जुड़े हुए थे।

आरोपी मूल रूप से सवाई माधोपुर जिले की रहने वाली है और वर्तमान में जयपुर के निकट वाटिका क्षेत्र में अपने सेवानिवृत्त पिता के साथ रह रही थी। जांच एजेंसियों के अनुसार वह कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित हो गई थी। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने ऑनलाइन कलमा पढ़कर धर्म परिवर्तन किया था और अपना नाम खदीजा रख लिया था।

जांच में सामने आया कि पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर उसे ऑनलाइन प्रशिक्षण दे रहे थे। इसके अलावा उसने इंटरनेट पर आत्मघाती हमलों से संबंधित विषयों की जानकारी भी खोजी थी। एटीएस की जांच में आरोपी के मोबाइल फोन से कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील जानकारियां मिली हैं। मोबाइल में पाकिस्तान के कई नंबरों से संपर्क के साक्ष्य भी सामने आए हैं। सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य तकनीकी निगरानी के माध्यम से एटीएस पिछले तीन से चार महीनों से बबीता पर नजर रखे हुए थी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर अदालत से सात दिन की रिमांड पर लिया गया था। जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की गहन पड़ताल कर रही हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी किन-किन लोगों के संपर्क में थी तथा इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है। एटीएस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच में जुटी हुई हैं।

राजस्थानी लेखिका संस्थान सम्मेलन में दो पुस्तकों का लोकार्पण

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थानी लेखिका संस्थान का साहित्यिक सम्मेलन शनिवार को राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति सभागार में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। सम्मेलन में प्रदेशभर से आए साहित्यकारों, युवा रचनाकारों और साहित्यप्रेमियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. घनश्याम नाथौ कच्छावा ने डॉ. शारदा कृष्ण की पुस्तक घर कीं कैवणों चावै तथा जीनस कंवर की पुस्तक श्रेत नै बणा आरसी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मनीषा आर्य सोनी विशिष्ट अतिथि रहीं। पुस्तकों की समीक्षा सुनीता बिश्नोलिया और डॉ. दर्शना कंवर उत्कर्ष ने प्रस्तुत कीए जबकि संचालन भगवती पारीक मनु ने किया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं गीतकार सत्यदेव संवितेन्द्र ने की। विशिष्ट अतिथि दिनेश कुमार जांगिड़ सारंग रहे। संस्थान की अध्यक्ष डॉ शारदा कृष्ण ने संस्था का परिचय दिया, जबकि राजवीर सिंह चळकोई ने राजस्थानी भाषा की मान्यता, साहित्य की सामाजिक भूमिका और युवा पीढ़ी को भाषा से जोड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। श्राजस्थानी युवा कविताई रा सुर सत्र में अक्षिता, अनीता सैनी, अवंतिका, जेठानंद पंवार, कपिला पालीवाल, गजराज कंवर, मीनाक्षी पारीक, सपना वर्मा, कृष गौड़ और विप्लव व्यास सहित युवा कवियों ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने राजस्थानी भाषा के संरक्षण, महिला लेखन को बढ़ावा और नई पीढ़ी को साहित्य से जोड़ने पर बल दिया। इस अवसर पर प्रमोद शर्मा, सतीश शर्मा, अंशु व्यास, पवन, गंगाबिशन बिश्नोई, गौरीशंकर निमीवाल एवं लोकेश कुमार साहिल सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता आज

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्नर)। ललित दाधीच कस्बे की सामाजिक संस्था राजलदेसर युवा विकास समिति के तत्वावधान में महिलाओं एवं युवतियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से मेहँदी प्रतियोगिता का आयोजन आज श्री राजलदेसर गौशाला स्थित बाजोरिया सत्संग हॉल में किया जाएगा। समिति अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल ने बताया कि प्रतियोगिता में कस्बे से लगभग 50 प्रतिभागी भाग ले रही हैं। प्रतिभागी अपनी कलात्मक मेहँदी डिजाइनों के माध्यम से सृजनात्मकता, सौंदर्य एवं भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करेंगी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों का भी समिति द्वारा उत्साहवर्धन एवं सम्मान किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर मंच सज्जा, बैठक व्यवस्था, निर्णायक मंडल एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समिति का उद्देश्य महिलाओं एवं युवतियों की कलात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। आयोजन को लेकर प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

राजभारती शिक्षण संस्थान का हुआ लोकार्पण

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ तहसील के ग्राम दाऊदसर में राजभारती शिक्षण संस्थान के लोकार्पण समारोह का आयोजन संत दयनाथ महाराज, शंभूनाथ महाराज एवं बालकनाथ महाराज के सानिध्य में व विधायक पूसाराम गोदारा के मुख्यातिथि में हुआ। इस अवसर विधायक गोदारा ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास का सबसे सशक्त साधन है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में गिरधारी लाल बांगड़वा, ओमप्रकाश पारीक, अणताराम राहड़, अणताराम राहड़, मनोज काशणिया, प्रदीप ज्याणी, सियाचंद कानसुजिया, श्रवण कुमार सारण, तेजपाल ढाका, चरण सिंह कोका, नेमीचंद धतरवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में भामाशाह सोहन राम गोदारा, संरक्षक बक्साराम गोदारा, व्यवस्थापक राकेश कुमार ज्याणी तथा निदेशक कृष्ण कुमार गोदारा द्वारा विधायक पूसाराम गोदारा सहित सभी संत-महात्माओं एवं अतिथियों का साफा, माल्यार्पण एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पीथाराम ज्याणी, खेताराम कुलडिया, केशरा राम जाखड़, महावीर बेनीवाल, सहीराम नैन, भागीरथ चौधरी, प्रधान जाखड़, भागीरथ सारण सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद्, अभिभावक, युवा वर्ग एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

व्यक्ति निर्माण ही युग निर्माण का आधार है : मिश्रा

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में वन्दनीया माता भगवती देवी की जन्म शताब्दी एवं अखण्ड दीप के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्तिकुञ्ज,, हरिद्वार के तत्त्वावधान में आयोजित तहसील स्तरीय सम्मेलन गायत्री शक्तिपीठ के सभा भवन में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए स्थानीय केशरीदेवी लोहिया राजकीय बालिका महाविद्यालय की प्राचार्य श्रुति मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा युग निर्माण का लक्ष्य तब तब तक अधूरा ही रहेगा जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं बदलेगा क्योंकि व्यक्ति निर्माण ही समाज और राष्ट्र निर्माण की धुरी है। जिला समन्वयक पारीक ने नारी जागरण के सम्बन्ध में गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी के विचारों से अवगत कराया और महिला शक्ति के लिए युग निर्माण के सूत्र समझाए। उपजोन संयोजक चारण ने शिक्षकों एवं युवाओं को युग निर्माण के सात आन्दोलनों साधना, योग से स्वास्थ्य प्राप्ति, शिक्षा, स्वावलम्बन, व्यसन एवं कुरीतियोंका उन्मूलन, नारी जागरण एवं पर्यावरण संरक्षण इत्यादि पर विस्तार से प्रकाश डाला। जोन संयोजक गोपाल स्वामी ने कहा कि शताब्दी वर्ष में अब अनेक बड़े-बड़े सम्मेलन एवं कार्यक्रम सम्पन्न होंगे जिनका प्रयास इस सम्मेलन के माध्यम से किया जा रहा है। कार्यक्रम का मंचिय संचालन गोपाल स्वामी ने किया।

शहरी निकायों में वार्डवार आयोजित होंगे शहरी सेवा शिविर

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के सभी नगरनिकायों में वार्डवार शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 29 जून को सुजानगढ़ नगरपरिषद कार्यालय में वार्ड संख्या 28 से 30 के लिए, बीदासर नगरपालिका कार्यालय में वार्ड संख्या 19 व 20 के लिए, तारानगर नगरपालिका कार्यालय में वार्ड संख्या 17 व 18 के लिए, छापर नगरपालिका मीटिंग हॉल में वार्ड संख्या 11 के लिए, साहवा नगरपालिका कार्यालय में वार्ड संख्या 13 के लिए, राजलदेसर नगरपालिका कार्यालय परिसर में वार्ड संख्या 22 से 24 के लिए, रतनगढ़ नगरपालिका टाउन हॉल में वार्ड संख्या 16, 17, 18, 19 व 20 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 30 जून को चूरू नगरपरिषद परिसर कार्यालय में वार्ड संख्या 29 से 32 के लिए, सुजानगढ़ नगरपरिषद कार्यालय में वार्ड संख्या 31 से 33 के लिए, सरदारशहर नगरपरिषद में टाउन हॉल में वार्ड संख्या 27,28 व 29 के लिए, बीदासर नगरपालिका कार्यालय में वार्ड संख्या 21 व 22 के लिए, तारानगर नगरपालिका परिसर में वार्ड संख्या 19 व 20 के लिएए साहवा नगरपालिका कार्यालय में वार्ड संख्या 14 के लिए, राजलदेसर नगरपालिका कार्यालय परिसर में वार्ड संख्या 25 से 27 के लिए, रतनगढ़ नगरपालिका टाउन हॉल में वार्ड संख्या 21, 22, 23, 24 व 25 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 29 व 30 जून को रतननगर नगरपालिका कार्यालय में वार्ड संख्या 10 से 12 के लिए व राजगढ़ नगरपालिका परिसर में 29 व 30 जून को वार्ड संख्या 16 से 20 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर आज

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। द यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ़ द्वारा रविवार को गुवाहाटी प्रवासी सुजानगढ़ निवासी स्व. नेमीचंद अमरावदेवी बगड़ा की स्मृति में उनके पुत्रों कैलाशचंद, सुखमाल, स्व. सरोज, संतोष व बिमल बगड़ा सडू वाले के सौजन्य से नि:शुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया जायेगा।

शिविर प्रभारी ललित सोनी ने बताया कि शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया द्वारा नेत्र रोगियों की नि:शुल्क जांच कर मोतियाबिंद के ऑपरेशन लायक रोगियों का चयन किया जायेगा। चयनित नेत्र रोगियों के नि:शुल्क लेंस प्रत्यारोपण डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल सुजानगढ़ में किए जायेंगे। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने जानकारी दी कि शिविर 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक द यंग्स क्लब ट्रस्ट सभागार सुजानगढ़ में आयोजित होगा।

सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर का किया स्वागत

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सूरतगढ़ विधायक डूंगर राम गेदर का सालासर रोड स्थित तोदी मोटर्स में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुशील कुमार तोदी, शुभम तोदी, ओबीसी प्रदेश सचिव बजरंग लाल सेन, कांग्रेस नेता मोहम्मद इदरीश गौरी, राजकुमार इंदौरिया, रामचंद्र गोदारा, ओंकारमल मेघवाल, यूनुस खान, इकबाल खान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ कांग्रेस अध्यक्ष फारुख भुट्टा, रामनिवास गुर्जर, सलीम गौरी, दाऊद काजी आदि ने डूंगरराम गेदर का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर डूंगरराम गेदर ने कहा कि पेपर लीक को लेकर हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन की राजस्थान के कोटा से शुरुआत हुई है। इस आन्दोलन से देशभर के बच्चों को जानकारी मिलेगी कि सरकार किस प्रकार से युवाओं के साथ अन्याय कर रही है।

15 प्रकार के ड्राई फरूट्स से सजी गुप्त वृंदावन में भगवान की विशेष पोशाक

निसं

जयपुर (नवयत्नर)। पानीहाटी चिड़ा-दही महोत्सव के अवसर पर शनिवार को गुप्त वृन्दावन धाम में भगवान श्री कृष्ण-बलराम, श्री श्री गौर-निताई एवं अन्य विग्रहों का 15 प्रकार के उत्कृष्ट सूखे मेवों ड्राई फरूट्स से निर्मित विशेष पोशाक से दिव्य श्रृंगार किया गया। वर्ष में केवल एक बार तैयार होने वाली इस विशेष पोशाक के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया कि इस विशेष पोशाक में बादाम, काजू, पिस्ता, अखरोट, अंजीर, किशमिश सहित कुल 15 प्रकार के ड्राई फरूट्स का उपयोग किया गया है। इस पोशाक का निर्माण लगभग एक माह पूर्व शुरू की गई विस्तृत योजना के तहत किया गया। पहले इसकी डिजाइन तैयार की गई, फिर सामग्री का चयन कर ड्राइंग, कटिंग, प्रिंटिंग और स्टिचिंग की गई। इसके बाद प्रत्येक ड्राई फरूट को समान डिजाइन में अत्यंत सावधानीपूर्वक सजाकर पोशाक को अंतिम रूप दिया गया। उन्होंने बताया कि इस दिव्य सेवा को पूर्ण करने में लगभग 12 से 13 सेवकों ने 551 घंटे से अधिक समय तक सेवा अर्पित की। पोशाक का प्रत्येक भाग दोनों ओर समान डिजाइन और संतुलन के साथ तैयार किया गया है, जिससे भगवान का दिव्य श्रृंगार अत्यंत आकर्षक और अलौकिक दिखाई देता है। यह विशेष ड्राई फरूट पोशाक वर्ष में केवल एक बार पानीहाटी चिड़ा-दही महोत्सव पर ही बनाई जाती है और यह भक्तों की श्रद्धाए प्रेम एवं समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

पांच सौ किलो पुष्पों से सजे दिव्य कुंड में कराया श्रीकृष्ण-बलराम को जल विहार

निसं

जयपुर (नवयत्नर)। गुप्त वृंदावन धाम में शनिवार को पानीहाटी दही-चिड़ा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। महोत्सव में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम एवं श्री श्री गौर-निताई का भव्य अभिषेक, पालकी उत्सव और दिव्य जल-विहार मुख्य आकर्षण रहे। भगवान के दर्शन और आशीर्वाद के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे तथा संकीर्तन और नृत्य के साथ भक्ति का उत्सव मनाया। महोत्सव के दौरान भगवान श्रीकृष्ण-बलराम का 30 हजार लीटर पवित्र जल से निर्मित दिव्य कुंड में जल.विहार कराया गया। इस विशेष कुंड को 500 किलो पुष्प.पंखुड़ियों, सात पवित्र नदियों के जल, गुलाब जल, केवड़ा जल तथा सुगंधित इत्र से सजाया गया। वहीं भगवान श्री श्री गौर-निताई का फलों के रस एवं पुष्पों से महाभिषेक भी किया गया। इस अवसर पर वर्ष में केवल एक बार बनने वाले 21 प्रकार के विशेष चिड़ा-दही का महा भोग अर्पित किया गया, जिसे श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। गुप्त वृंदावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया कि पश्चिम बंगाल के पानीहाटी गांव में नित्यानंद प्रभु और श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी की पहली भेंट की स्मृति में यह उत्सव मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि श्री नित्यानंद प्रभु के आदेश पर श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी ने भक्तों को दही के साथ मिश्रित चावल चिड़ा-दही वितरित किए थे। इसी घटना की स्मृति में मनाया जाने वाला यह उत्सव दंड महोत्सव के नाम से भी प्रसिद्ध है।

लावारिस अवस्था में मिली दस वर्षीय नाबालिग बालिका

निसं

चूरू (नवयत्न)। चूरू की कालिका टीम ने एक बार फिर मानवीय संवेदना का परिचय दिया है, जहाँ चूरू कलेक्ट्रेट सर्किल के पास लावारिस अवस्था में मिली दस वर्षीय नाबालिग बालिका को उसके परिजनों तक पहुंचाया है। कालिका टीम प्रभारी कौशल्या भादू ने बताया गश्त के दौरान कलेक्ट्रेट सर्किल के पास टीम पहुंची तो चाय की थड़ी के आगे दस वर्षीय नाबालिग बालिका रोती हुई मिली, कालिका टीम की पूनम और अन्य साथी ने जब नाबालिग से उसका नाम और घर पूछा तो उसने रोते हुए बताया की वह झुंझुनू के हेतमसर मौसी के घर रहती थी जहाँ उसके साथ मौसी मारपीट करती थी और उसी से परेशान होकर वह घर से निकल गयी और बस में बैठ गयी। टीम की प्रारम्भिक पूछताछ में नाबालिग बालिका रतनगढ़ तहसील के एक गांव की होना पाया गया, जिस पर टीम ने परिजनों से संपर्क साधा और नाबालिग बालिका को चाइल्ड हेल्प लाईन को सौंपा। चाइल्ड हेल्प लाईन प्रभारी पन्ने सिंह ने बताया नाबालिग का स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा और कानूनी कारवाई के लिए महिला थाना पुलिस को लिखा जाएगा। प्रभारी ने बताया प्रथम दृष्टया मामला बाल हिंसा का है जिसमें दोषियों के विरुद्ध कानूनी कारवाई की जाएगी।

सम्मान : पहले ही प्रयास में स्कूल व्याख्याता बनीं सपना वर्मा

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। स्कूल व्याख्याता-2024 भर्ती परीक्षा के जीव विज्ञान (बायोलॉजी) विषय में पूरे राजस्थान में 16वीं रैंक हासिल कर पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त करने वाली सपना वर्मा का शनिवार को उनके पूर्व शिक्षण संस्थान मीरा निकेतन विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिवार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। सपना वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता राकेश कुमार वर्मा एवं रेखा वर्मा, गुरुजनों, परिवार के सदस्यों और मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही यह उपलब्धि संभव हो सकी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने कहा कि सपना की सफलता वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि लगन, मेहनत और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के प्राचार्य रामकुमार स्वामी ने कहा कि सपना वर्मा शुरू से ही मेधावी, अनुशासित और परिश्रमी छात्रा रही हैं। विद्यालय को उनकी इस उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने पहले ही प्रयास में राजस्थान में 16वीं रैंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि विद्यालय और जिले का भी नाम रोशन किया है। उनकी सफलता विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है और यह साबित करती है कि निरंतर परिश्रम एवं सही मार्गदर्शन से बड़े से बड़ा लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने सपना वर्मा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की। इस दौरान प्राचार्य रामकुमार स्वामी, सुरेंद्र सैनी, हरिनारायण जाखड़, अनीता शर्मा, भरत पारीक, मंजू सैनी, कैलाश पारीक, कौशल पैमानी, ललित स्वामी, हुन्ता दास स्वामी, अजय चारण, राहुल सिंह तंवर, मनीष, कृष्णा पीटीआई, रोशन, पूजा, मोनू सैनी आदि विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

420 किलो घटिया पनीर की खेप पकड़ी

निसं

जयपुर (नवयत्नर)। राज्य सरकार के शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए अलवर के रामगढ़ से जयपुर लाई जा रही 420 किलोग्राम घटिया एवं बासी पनीर की खेप को शहर में प्रवेश करते ही पकड़ लिया। इस पनीर से तेज दुर्गंध आने पर खाद्य सुरक्षा टीम ने नमूने लेकर शेष 419 किलोग्राम पनीर को मौके पर ही नष्ट करा दिया। डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य डॉ. सुरेंद्र गोयल ने बताया कि खो-नागोरियान थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान रामगढ़ अलवर से आ रही एक पिकअप को रोककर जांच की। जिसमें बड़ी मात्रा में पनीर मिला। पुलिस की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान पनीर से गंदी बदबू आने पर उसके नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए तथा शेष खेप को नष्ट कर दिया गया। पूछताछ में सामने आया कि पनीर रामगढ़ स्थित चौधरी डेयरी फर्म में तैयार किया गया था। आरोप है कि दूध से घी और मलाई निकालने के बाद बचे निम्न गुणवत्ता वाले दूध से पनीर बनाया जाता था और उसे मात्र 200 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से जयपुर शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की छोटी रिटेल डेयरियों और दुकानों पर सप्लाई किया जाता था। डॉ. गोयल ने बताया कि प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 तथा नियम-2011 के तहत संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने और मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने के लिए अभियान के तहत लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय कार्यालय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद थारवान, नंदकिशोर कुमावत एवं अवधेश गुप्ता सहित टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे।

तेरापंथी सभा को सेवा मंदिर संचालन का सुपुर्दगी पत्र सौंपा

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। जैन विश्व भारती परिसर में महाश्रमण विहार में जैन विश्व भारती द्वारा मूल ठिकाना (सेवा मंदिर) नवीनीकरण परियोजना तेरापंथ के अधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित समारोह में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा को सुपुर्द किया गया। समारोह में आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि संघ की सभी संस्थाओं के बीच आपसी सौहार्द, सामंजस्य और सद्भाव सदैव बना रहना चाहिए। परिसर संयोजक धर्मचंद लूंकड ने बताया कि समाजसेवी राकेश कठोतिया व छतरमल बैद के सौजन्य से सेवा मंदिर के नवीनीकरण का कार्य संपादित हुआ है। मंत्री सलिल लोढ़ा ने बताया कि भवन के नवीनीकरण व विस्तार के अंतर्गत 10 कमरों, बरामदे आदि का निर्माण करवाया गया। वहीं मूल भवन का संपूर्ण नवीनीकरण भी करवाया है। अनुदानदाता राकेश कठोतिया ने आचार्य प्रवर से अनुरोध किया कि नवीन भवन में प्रवास हेतु साध्वी वृंद की संख्या बढ़ाई जाए तो आसपास के श्रावक-श्राविकाओं को सेवा-दर्शन में सुविधा रहेगी। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष प्रमोद बैद ने कहा कि सेवा केंद्र में प्रवास करने वाली साध्वियों की सेवा के लिए सभा परिवार सदैव तत्पर रहेगा। अंत में अनुदानदाता राकेश कठोतिया व छतरमल बैद ने तेरापंथी सभा के अध्यक्ष प्रमोद बैद व मंत्री आलोक खटेड़ को सुपुर्दगी का पत्र सौंपा।

सम्पादकीय

मादक पदार्थों की तस्करी

नशीले पदार्थों के तस्करों की गतिविधियों को देखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस यानी एनडीपीएस एक्ट में संशोधन करने की जो जरूरत जताई, उसकी पूर्ति यथाशीघ्र की जानी चाहिए। उचित यह होगा कि राज्य सरकारें इस कानून में वांछित संशोधन के लिए सुझाव देने का काम तत्परता से करें, क्योंकि नशे के तस्करों से निपटने में उनका योगदान बहुत अहम है। वे इससे भी परिचित हैं कि नशे के तस्कर एनडीपीएस एक्ट की किन खामियों का लाभ उठाते हैं। नि:संदेह नशा तस्करों के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि उनके हौसले पस्त नहीं हो पा रहे हैं और इसका पता इससे चलता है कि नारकोटिक्स ब्यूरो एवं अन्य एजेंसियों की तमाम सक्रियता के बाद भी देश में बड़े पैमाने पर चोरी-छिपे मादक पदार्थ लाए जा रहे हैं।

देश के कुछ राज्यों और विशेष रूप से सीमावर्ती राज्यों में नशे के तस्करों की गतिविधियां कुछ ज्यादा ही देखने को मिल रही हैं। इनमें पंजाब के अतिरिक्त पूर्वोत्तर के राज्य प्रमुख हैं। भारत में विशेष रूप से पाकिस्तान, म्यांमार, ईरान आदि से बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थ आ रहे हैं। यह भी देखने को मिल रहा है कि पिछले कुछ समय से देश में भी नशीले पदार्थों का चोरी-छिपे निर्माण किया जा रहा है। नि:संदेह यह भी एक चुनौती है।

देश में किस तरह नशीले पदार्थों की आवक बढ़ रही है, इसका पता इससे चलता है कि जहां वर्ष 2004 से 2014 के बीच 26 लाख किलो सिंथेटिक मादक पदार्थ जब्त किए गए, वहीं 2014 से 2026 के बीच 1.18 करोड़ किलो सिंथेटिक मादक पदार्थ जब्त किए गए। इससे एक ओर जहां यह पता चलता है कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने में संबंधित एजेंसियों को लगातार सफलता मिल रही है, वहीं दूसरी ओर यह भी रेखांकित होता है कि मादक पदार्थों के तस्करों का दुस्साहस बढ़ रहा है। मादक पदार्थों के तस्करों पर सख्ती बरतने की आवश्यकता इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि नशा केवल युवा पीढ़ी के भविष्य को ही बर्बाद नहीं करता, बल्कि उसके कारोबारी देश की सुरक्षा के लिए खतरा भी पैदा करते हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि नशीले पदार्थों की तस्करी से हासिल किए जाने वाले पैसे से अपराधी आधुनिक हथियार खरीदते हैं। अपराधियों के कई गिरोह ऐसे हैं, जो अपने अपराध तंत्र को खड़ा करने के लिए नशीले पदार्थों का कारोबार करते हैं। इसी तरह कई आतंकी संगठन भी नशीले पदार्थों की तस्करी करते हैं। यह सही है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति अपनाने की बात की जा रही है, लेकिन जब तक नशे के कारोबारी दबाव में नहीं आते, तब तक इस नीति के वांछित नतीजे हासिल नहीं हो सकते।

विशेष आलेख

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अत: किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुन: सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना। पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है। आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं। भौतिकता, उपभोक्तावाद और अंधी प्रतिस्पर्धा की आंधी ने संयम, सादगी, त्याग और पारिवारिक मर्यादाओं जैसे जीवन-मूल्यों को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं नशे का बढ़ता प्रचलन, शराब और मादक पदार्थों की लत युवा पीढ़ी को परिवार और समाज से काटकर हिंसा, अपराध और संवेदनहीनता की ओर ले जा रही है।

आज का राशिफल

मेष
चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी। व्यापारिक निर्णय समय पर लेना होंगे। विरोधी आपकी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं।

वृष
शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगेगा। स्वयं का सोच अनुकूल रहेगा। रिश्तेदारों से संबंधों की मर्यादा बनाए रखें। अच्छी व सुखद स्थितियाँ निर्मित होंगी।

मिथुन
रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। नौकरी करने वालों को ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क
घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं। सरकारी, कानूनी विवाद सुलझेंगे। जोखिम, लोभ, लालच से बचें। नया काम, व्यवसाय आदि की बात बनेगी।

सिंह
फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी। रुका धन मिलने से निवेश में वृद्धि होने के योग हैं। उदर संबंधी विकार हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आएँगे। समाज में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। साहस, पराक्रम बढ़ेगा। विश्वासप्रद माहौल रहेगा।

तुला
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी। पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी।

वृश्चिक
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे। कर्मचारियों पर निगाह रखें। परिवार की समस्या का उचित समाधान होगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा।

धनु
प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा। लगन, मेहनत का उचित फल मिल सकेगा। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। विवाद सुलझेंगे।

मकर
पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। अच्छी व सुखद स्थितियाँ निर्मित होंगी। विरोधी आपकी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कुंभ
विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी। व्यसनाधीनता से बचें। व्यापार, रोजगार मध्यम रहेगा।

मीन
पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी। स्थायी संपत्ति संबंधी खटपट हो सकती है। पुरानी बीमारी उभर सकती है।

स्वास्थ्य समाचार

आंख आने (कंजंक्टिवाइटिस) पर अपनाएं यह घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

आंखें हमारे शरीर का एक अहम अंग हैं इसलिए इनकी खास देखभाल करना जरूरी है। हालांकि, धूल-मिट्टी और प्रदूषण की वजह से कई बार आंखों में संक्रमण की शिकायत हो जाती है। इसे आम भाषा में आंख आना कहते हैं। वहीं, अंग्रेजी में इसे कंजंक्टिवाइटिस कहा जाता है। कजंक्टिवाइटिस होने पर आंखों में एलर्जी और सूजन हो जाती है। आंख आने की स्थिति में आंखें लाल दिखने लगती हैं, जिसकी वजह से इसे पिंक आई के नाम से भी जाना जाता है। साथ ही, आंखों में जलन, खुजली और पानी निकलने जैसी समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है।

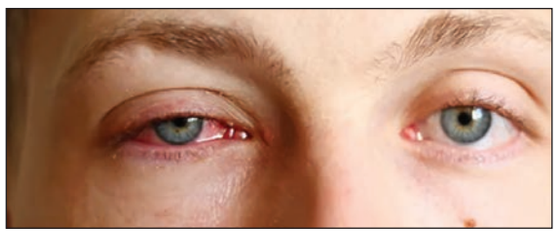

गुलाब जल

आंख आने की समस्या में गुलाब जल का उपयोग काफी लाभदायक साबित होता है। गुलाब जल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो आंखों की सूजन और रेडनेस को कम कर सकते हैं। साथ ही, इससे आंखों को ठंडक भी मिलती है। इसके लिए अपनी आंखों में गुलाब जल की दो बूंदें डालें। कुछ देर तक आंखों को बंद करके रखें। ऐसा करने से आंखों में गए दूषित कण भी निकल जाएंगे।

टी बैग

आंख आने पर घरेलू उपचार के लिए टी बैग का इस्तेमाल किया जा सकता है। एनसीबीआई पर प्रकाशित एक शोध के मुताबिक ब्लैक टी और ग्रीन टी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो सूजन को दूर करने में मददगार हो सकते हैं। इनमें मौजूद टैनिन आंख में होने वाली खुजली से राहत दिला सकता है। इसके लिए एक टी बैग को पानी में डालकर उबाल लें। फिर ठंडा होने के लिए रख दें। जब यह ठंडा हो जाए, तो इसे आंखों पर लगभग 10 मिनट तक रखें। इस प्रक्रिया को दिन में 2-3 बार दोहराएं।

एलोवेरा

एलोवेरा औषधीय गुणों से भरपूर होता है। एलोवेरा जेल में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जिससे सूजन दूर होती है। आंखों के आस-पास एलोवेरा जेल लगाने से कंजक्टिविटिस की शिकायत में काफी आराम मिल सकता है।

ठंडी सिकाई

आंख आने पर ठंडी सिकाई करने से काफी राहत मिलती है। इसके लिए कॉटन के कपड़े में बर्फ के टुकड़े डालकर बांध लें। अब इसे अपनी आंखों पर रखें और 5 से 10 मिनट सिकाई करें। ऐसा करने से आंखों की सूजन और खुजली कम होगी और आंखों को रिलैक्स मिलेगा।

धनिया

आंख आने पर धनिया के पत्तों का प्रयोग भी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दरअसल, धनिया के पत्ते एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं, जो सूजन को कम करने में मददगार हो सकते हैं। इसके लिए धनिया के पत्तों को पानी में उबालना लें।

चेहरे पर सफेद दानों से हैं परेशान? तो इन उपायों से मिलेगा छुटकारा

कई लोगों के चेहरे पर छोटे, सफेद और उभरे हुए दाने होते हैं। इसे मेडिकल भाषा में मिलिया कहते हैं। यह त्वचा की सतह में केराटिन के निर्माण के कारण होता है। मिलिया अक्सर आंखों के नीचे, नाक, गाल या माथे के पास होता है। यह समस्या किसी भी उम्र के व्यक्तिको हो सकती है। खासतौर पर किशोरों और वयस्कों में यह ज्यादा देखने को मिलती है। इन दानों में किसी तरह का दर्द नहीं होता है, लेकिन ये आपकी खूबसूरती को खराब करते हैं। ऐसे में अक्सर लोग इस समस्या से निपटने के लिए तरह-तरह के क्रीम और दवाइयों का सहारा लेते हैं। लेकिन आप चाहें तो इन दानों से छुटकारा पाने के लिए कुछ घरेलू उपायों की मदद ले सकते हैं।

नारियल का तेल : मिलिया के इलाज में नारियल का तेल काफी फायदेमंद हो सकता है । नारियल के तेल में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो सफेद दानों और चेहरे पर निशान को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए रात को सोने से पहले नारियल के तेल की कुछ बूंदें लेकर चेहरे की मालिश करें। फिर सुबह चेहरे को पानी से धो दें। इससे चेहरे के सफेद दानों से छुटकारा मिलेगा और त्वचा काफी मुलायम बनेगी।

एलोवेरा : एलोवेरा त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो मुंहासों और दानों की समस्या को दूर करते हैं। एलोवेरा में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मिलिया की वजह से होने वाली जलन से राहत दिला सकते हैं। इसके लिए ताजा एलोवेरा जेल लेकर चेहरे पर सफेद दानों वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो दें।

गुलाब जल : चेहरे के सफेद दानों को हटाने के लिए आप गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं। गुलाब जल चेहरे के डेड स्किन सेल्स को साफ करने में काफी प्रभावी है। यह चेहरे के पिंपल और दानों को जड़ से हटाने में कारगर है। इसके लिए गुलाब जल और चंदन पाउडर को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसे प्रभावित हिस्से पर लगाएं और कुछ देर सूखने के लिए छोड़ दें। लगभग आधे घंटे बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

कैस्टर ऑयल : कैस्टर ऑयल यानी अरंडी का तेल मिलिया से छुटकारा पाने का एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। कैस्टर ऑयल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा के दानों और सूजन को कम करने में प्रभावी होते हैं। तेल को लगाने से पहले पानी से साफ करके सुखा लें। फिर कैस्टर ऑयल की कुछ बूंदों को हाथ में लेकर चेहरे की मालिश करें। लगभग आधे घंटे बाद पानी से चेहरा धो लें। बेहतर परिणाम के लिए इस प्रक्रिया को रोजाना दोहराएं।

हेल्दी रहने के लिए जरूरी है रोजाना योगा

हेल्दी रहने और माइंड को रिलेक्स करने के लिए योगा फायदेमंद साबित हो सकता है। ये शारीरिक और मानसिक शक्ति को बढ़ाने में मदद करता है। हालांकि, रोजाना की लाइफस्टाइल में शामिल करना कुछ लोगों के लिए मुश्किल होता है। कुछ लोग एक-दो दिन इसकी प्रेक्टिस करते हैं और फिर छोड़ देते हैं।

समय और जगह करें सेट : दिन का एक समय चुनें और अपने घर में ऐसी जगह चुनें जहां आप लगातार योगा प्रेक्टिस कर सकें। यह एक रूटीन सेट करने में मदद करेगा और आपकी प्रेक्टिस पर टिके रहना आसान बना देगा।

ऑनलाइन संसाधनों का इस्तेमाल करें : योग के लिए कई ऑनलाइन संसाधन मिल जाएंगे, जिनमें वीडियो, ट्यूटोरियल और ऐप्स शामिल हैं। एक वीडियो को देखें जो आपकी मदद कर सकें। ये आपकी प्रेक्टिस को आसान बनाएगा।

आसान योगासन से करें स्टार्ट : अगर आप योग के लिए नए हैं, तो आसान योगासन से शुरुआत करें। आसान योग से शुरुआत करने पर आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होती है।

योगा पार्टनर देखें : रोजाना योगा करने के लिए किसी दोस्त या परिवार के सदस्य के साथ योग की प्रेक्टिस करें। अगर आप कम्फर्टेबल हों तो किसी और के साथ अभ्यास करना ज्यादा मजेदार हो सकता है। योग एक अच्छी प्रेक्टिस है, हालांकि, ताकत और लचीलापन बनाने में समय लगता है

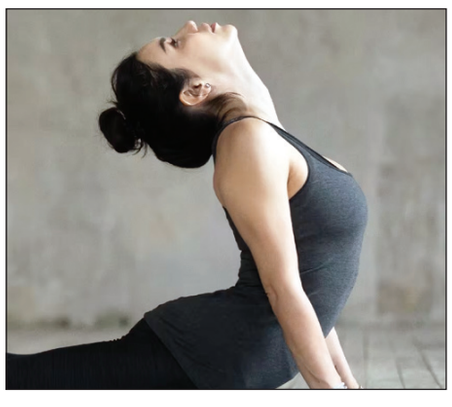

एक हजार पौधे बाटने के लक्ष्य के साथ निःशुल्क पौधा वितरण अभियान शुरू

निसं

बगड़ (नवयत्न)। प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अभिनव प्रगति समिति, बगड़ की ओर से आठवें वार्षिक निःशुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. मूल सिंह शेखावत और अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन व महिला कल्याण सचिव सुशीला बुंदेला ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में निवर्तमान पार्षद एवं पर्यावरण सचिव अजय सिंह शेखावत मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन समिति द्वारा संचालित अभिनव महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र, अभिनव सेवा सदन, सब्जी मार्केट के पास किया गया।

अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण से किया गया। इसके बाद 10 लोगों को प्रतीकात्मक रूप से पौधे वितरित कर अभियान की शुरुआत की गई। डॉ. मूल सिंह शेखावत ने कहा कि बढ़ते तापमान, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण जरूरी है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका संरक्षण भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और संतुलित पर्यावरण मिल सके। महासचिव राधेश्याम बुंदेला ने बताया कि इस वर्ष एक हजार पौधे वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। पौधे प्राप्त करने वाले प्रत्येक परिवार से पौधों की देखभाल का संकल्प पत्र भरवाया जा रहा है। साथ ही राशन कार्ड और आधार कार्ड की प्रतिलिपि लेकर एक परिवार को दो पौधे दिए जा रहे हैं। अभियान के तहत जामुन, अमरूद, बेलपत्र, अनार, गुलाब, इमली, अशोक, नींबू, अर्जुन और गुलमोहर सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर महेंद्र सिंह बिजारनिया, सुरेश चंद्र दाधीच, देवेंद्र जांगिड़, राजनीश स्वामी, विजय सिंह गोदारा, बृजलाल बिजारनिया, अनिल बिजारनिया, संजय सिंह शेखावत, अभिनव पब्लिक डिजिटल ई-लाइब्रेरी के पाठक-पाठिकाएं तथा महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र की प्रशिक्षणार्थियां मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक श्रीराम सैनी ने किया।

जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे ग्रामीण सेवा शिविर

चूरू (नवयत्न)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन तक जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के सभी ब्लॉकों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। सीईओ श्वेता कोचर ने बताया कि 29 जून को चूरू उपखंड की दान्दू व राणासर, राजगढ़ उपखंड की बींजावास व डोकवा, रतनगढ़ उपखंड की कांगड़ व दाउदसर, सरदारशहर उपखंड की सावर व डालमाण, तारानगर उपखंड की झाड़सर छोटा व राजपुरा, बीदासर उपखंड की उड़वाला तथा सुजानगढ़ उपखंड की आबसर व हरासर ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारंभ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। मुरलीपुरा के विकास नगर स्थित शिव हनुमान मंदिर में शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ। गाजे-बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाते हुए भाग लिया। यात्रा कॉलोनी के विभिन्न मार्गों से होकर पुनः मंदिर परिसर पहुंची। कलश यात्रा के बाद राम दरबार एवं व्यासपीठ का विधिवत पूजन कर श्रीराम कथा का शुभारंभ किया गया। व्यासपीठ से कथावाचक मनोज कृष्ण महाराज ने श्रीराम कथा के महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने मानव मात्र के कल्याण के लिए विविध लीलाएं कर मर्यादा आदर्श और धर्म के पालन का संदेश दिया। उनके जीवन से समाज को सत्य, सेवा और सदाचार की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के प्रारंभ में बाबूलाल अग्रवाल, ललित भट्ट, पंडित महावीर उपाध्याय तथा पंडित सीताराम शर्मा बबाई वाले ने आरती उतारकर कथा का शुभारंभ कराया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

मुहर्रम बनाने वाले कलमकार एवं अखाड़ों के उस्तादों का हुआ सम्मान

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। मुहर्रम चांद की 10 तारीख शुक्रवार की शाम को दाऊजी मन्दिर रोड स्थित प्रकाश चित्र के सामने अंजुमन इंतजामिया कमेटी दरगाह नौ गजा पीर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुहर्रम बनाने वाले कलमकार, कारिगर तथा अखाड़ा कमेटी खलीफा व उस्तादों का सम्मान किया। अध्यक्ष रमजान अली कच्छावा ने बताया कि मुख्य अतिथि दाताश्री रामेश्वरानंद महाराज सागर वाले थे। अध्यक्षता रानी बाजार गुरूद्वारा सिक्ख सभा के सरदार सुखविंदर सिंह ने किया। इस अवसर पर मंच पर शहर काजी शाहनवाज हुसैन, ईदगाह कमेटी हाफिज फरमान अली, पूर्व महापौर हाजी मकसूद अहमद, बाबू जयशंकर जोशी, जियाउर रहमान आरिफ, अब्दुल मजीद खोखर, हाजी सलीम सोढ़ा, सलीम भाटी, चौरूलाल सुथार, राजकुमार पारीक, सैय्यद अख्तर, भवानी आचार्य, कवि शिव दाधीच, नित्यानंद पारीक, अनवर अजमेरी, मेहबूब अली रंगरेज, डॉक्टर कन्हैया लाल कच्छावा, दुर्गादास किराड़ू, एडवोकेट सुरेश श्रीमाली, शाकिर हुसैन चौपदार, हसन अली खिलजी, रमजान अब्बासी, ताहिर हसन, शहाबुद्दीन भुट्टा, वसीम फिरोज अब्बासी, सदीक कुरैशी, शकिल स्टार, राधेश्याम खत्री, ज़फ़र अली, इकबाल जैलर, ईश्वर दयाल मोदी, मुश्ताक भाटी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन एम रफीक कादरी ने किया। इस अवसर पर सभी सर्व धर्म प्रेमियों ने हजरत इमाम अली अलैहिस्सलाम की शहादत पर रोशनी डाली।

सेंट्रल जेल में बंदी से मारपीट कर 64 हजार की अवैध वसूली का आरोप

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर सेंट्रल जेल में बंद एक विचाराधीन बंदी से मारपीट और धमकी देकर चार माह में 64 हजार रुपये की अवैध वसूली करने का मामला सामने आया है। पीड़ित बंदी की पत्नी ने लालकोठी थाने में दो सजायाफ्ता कैदियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने शिकायत के बाद जेल की सुरक्षा व्यवस्था और जेल के भीतर अवैध वसूली के आरोपों पर सवाल खड़े हो गए हैं। एएसआई मनोज कुमार ने बताया कि शास्त्री नगर निवासी 23 वर्षीय विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके पति विष्णु को नवंबर 2025 में आदर्श नगर क्षेत्र में फायरिंग के एक मामले में गिरफ्तार कर जयपुर सेंट्रल जेल भेजा गया था। जहां वह वर्तमान में बंद है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जेल में बंद सजायाफ्ता कैदी ऋषिराज सिंह उर्फ चेतन बन्ना और विक्रम, जो जेल की चीफजाली मुख्य प्रवेश द्वार पर कार्यरत हैं, लंबे समय से बंदियों से अवैध वसूली करते हैं। जेल में एक माह रहने के बाद दोनों ने विष्णु को धमकाना शुरू कर दिया। रुपए नहीं देने पर उसके साथ कई बार मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी देकर परिजनों से रकम मंगवाई गई। परिवाद के अनुसार आरोपियों ने पिछले चार महीनों में अपने एक रिश्तेदार के बैंक खाते में करीब 64 हजार रुपये जमा करवाकर अवैध वसूली की। लगातार हो रही धमकियों और वसूली से परेशान होकर पीड़ित की पत्नी ने दोनों आरोपियों के खिलाफ लालकोठी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। जांच अधिकारी एएसआई मनोज कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी गई है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पंचमुखी हनुमान मंदिर में होगा द्वादश ज्योतिर्लिंग पूजन व रुद्राभिषेक

निसं

जयपुर (नवयत्न)। दिल्ली रोड स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में द्वितीय ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा को विश्व कल्याण की कामना से द्वादश ज्योतिर्लिंग पूजन एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। आयोजन श्री गोविन्द देवजी की कृपा एवं महंत रामरज दास त्यागी के सानिध्य में संत-महंतों द्वारा संपन्न होगा। धर्म प्रचारक विजय शंकर पांडेय ने बताया कि भगवान भोलेनाथ का गन्ने के रस, बेल रस, भांग, दूध, दही, घी, शहद, बूरा, पुष्प रस तथा गंगाजल सहित विभिन्न पवित्र द्रव्यों से वैदिक विधि-विधान के साथ अभिषेक किया जाएगा। अनुष्ठान का संचालन डॉ. प्रशांत शर्मा, रमाकांत एवं कौशल जैमिनी सहित विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया जाएगा। इस अवसर पर पंचमुखी हनुमान और भगवान शिव की आकर्षक एवं विशेष झांकी सजाई जाएगी। पूजन-अभिषेक के बाद भगवान को महाभोग अर्पित कर महाआरती होगी तथा श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

केशुका बालाजी मंदिर को सवा बीघा भूमि दान

निसं

बुगाला (नवयत्न)। अजाड़ीकला क्षेत्र के प्रसिद्ध केशुका बालाजी मंदिर के विकास एवं धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भामाशाह परिवार द्वारा सवा बीघा भूमि दान की गई है। इस पुनीत कार्य के लिए श्रद्धालुओं ने दानदाताओं की सराहना की है। मंदिर से जुड़े समाजसेवी प्रकाश महला ने जानकारी देते हुए बताया कि फूलचंद एवं मनोज कुमार की पुण्य स्मृति में पतासी देवी, अनिता, सरोज एवं कमला सहित परिवार जनों ने केशुका बालाजी मंदिर को सवा बीघा भूमि दान स्वरूप भेंट की है। उन्होंने कहा कि इस भूमि का उपयोग मंदिर के विकास, धार्मिक आयोजनों तथा

श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। मंदिर समिति ने भामाशाह परिवार के इस योगदान को अनुकरणीय बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया। समिति के सदस्यों ने कहा कि समाज में ऐसे दान कार्यों से धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को मजबूती मिलती है तथा अन्य लोगों को भी जनहित और धर्महित के कार्यों के लिए प्रेरणा मिलती है।

काली फिल्म और अवैध नंबर प्लेट वालों पर पुलिस का सख्त शिकंजा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रदेश में सड़क सुरक्षा मजबूत करने और यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर शिकंजा कसने के लिए राजस्थान पुलिस का विशेष प्रवर्तन अभियान लगातार जारी है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश और महानिदेशक पुलिस यातायात अनिल पालीवाल के सुपरविजन में 4 जून से 26 जून 2026 तक प्रदेशभर में 1 लाख 77 हजार 34 यातायात नियम उल्लंघन के मामलों में चालान किए गए। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि अभियान के दौरान

वाहनों पर लगी अवैध काली फिल्म के 64,906, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट के 44,635, अनधिकृत शब्द एवं चिन्ह के 24,709, अवैध मॉडिफिकेशन के 19,050, लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट और हूटर के 14,255 तथा प्रेशर हॉर्न के 9,479 मामलों में कार्रवाई की गई। 26 जून को अकेले एक दिन में 5,307 वाहनों के चालान किए गए। इनमें 1,608 काली फिल्म, 1,174 अवैध नंबर प्लेट, 891 अवैध मॉडिफिकेशन, 676 अनधिकृत लेखन, 669 लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर व हूटर तथा 289 प्रेशर हॉर्न के मामले शामिल रहे। जिलावार कार्रवाई में अजमेर 711 चालानों के साथ प्रदेश में सबसे आगे रहा। राजधानी जयपुर में कमिश्नरेट क्षेत्र में कुल 1,270 वाहनों पर कार्रवाई की गई। इनमें जयपुर पश्चिम में 596, जयपुर पूर्व में 414, यातायात शाखा में 198, जयपुर दक्षिण में 61 और जयपुर उत्तर में एक चालान किया गया। वहीं जयपुर ग्रामीण में 321 वाहनों पर चालान और सीज की कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा। आमजन से वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशनए काली फिल्म, प्रेशर हॉर्न, अनधिकृत लाल-नीली बत्ती, हूटर और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट का उपयोग नहीं करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

धनुरी के लियाकत अली वेटरन अचीवर्स अवार्ड से दिल्ली में सम्मानित

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। आदर्श सैनिक गाँव धनुरी के सेवानिवृत्त रिसालदार मेजर ऑनरेरी कप्तान लियाकत अली को नई दिल्ली में चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ द्वारा वेटरन अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान माणेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया, जिसमें देशभर के सात विशिष्ट पूर्व सैनिकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर रिटायर्ड कर्नल ज्ञान प्रकाश मिश्रा, कर्नल रघुवीर सिंह भास्कर, लेफ्टिनेंट कर्नल शिखा गर्ग, सूबेदार ऑनरेरी कैप्टन ओम प्रकाश, सूबेदार मेजर सुमेर सिंह और हवलदार जीवा राज सिंह रिटायर्ड को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित पूर्व सैनिकों को पूर्व सैनिकों के कल्याण, शिक्षा, युवाओं के सशक्तिकरण, समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए चुना गया। इन सभी ने अपने निस्वार्थ प्रयासों से ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देने, वीर नारियों की सहायता, पेंशन समस्याओं के समाधान, वंचित बच्चों की शिक्षा, सामुदायिक विकास

कार्यक्रमों, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, रिन्यूएबल एनर्जी और खेल व युवा विकास के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किए हैं। कप्तान लियाकत अली पिछले 23 वर्षों से अपनी संस्था व टीम के साथ गांव-गांव जाकर पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और जरूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय सेना की 73 आर्मर्ड रेजिमेंट सहित विभिन्न यूनिट्स में करीब 32 वर्ष 7 महीने तक सेवाएं देने के बाद वर्ष 2003 में सेवानिवृत्ति ली थी। सेवानिवृत्ति के बाद से ही वे निरंतर समाज सेवा में सक्रिय हैं। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व सैनिकों से आह्वान किया कि वे पेंशन के बाद घर पर निष्क्रिय न रहें बल्कि राष्ट्र निर्माण और अपने साथी सैनिकों के लिए योगदान देते रहें। उन्होंने कहा कि समाजसेवा एक निरंतर चलने वाली यात्रा है और मजबूत व एकजुट भारत के निर्माण में हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है।

रास्ता पूछने के बहाने व्यापारी को जंगल ले जाकर एक लाख की लूट करने वाला गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र में व्यापारी के साथ मारपीट कर एक लाख रुपये की लूट के मामले का पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कोटा के एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूट की रकम में उसके हिस्से के 7 हजार 500 रुपये बरामद किए गए हैं। इस मामले में शामिल अन्य 7-8 आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस उपायुक्त पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि घाट के बालाजी निवासी व्यापारी राहुल खंडेलवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 जून की रात वह दुकान बंद कर एक्टिवा से घर लौटते समय नाहरसिंह बाबा मंदिर के पास दो युवकों ने रास्ता पूछने के बहाने उन्हें रोक लिया। इसके बाद वे जबरन उन्हें पास के जंगल में ले गए, जहां मारपीट कर उनके पास रखे एक लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर नाहरसिंह बाबा बस्ती से राहुल बैरागी उर्फ राहुल वैष्णव 28 को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने 7-8 साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी मूल रूप से कोटा ग्रामीण जिले के रामगंजमंडी का निवासी है और वहां का चालान शुदा हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ चोरी, मारपीट, अवैध जुआ और जानलेवा हमले सहित करीब पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके हिस्से में आए 7 हजार 500 रुपये बरामद कर लिए हैं। अदालत ने आरोपी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी अरुण चौधरी, उपनिरीक्षक कैलाश चंद, हेड कांस्टेबल सोहन सिंह तथा कांस्टेबल कैलाश नेहरा और मोहम्मद शाहिद की विशेष भूमिका रही।

खेजड़ी रेगिस्तान की आत्मा, इसका सरकार करे संरक्षण : तेतरवाल

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। राजस्थान की जीवनदायिनी और राजकीय वृक्ष खेजड़ी आज अपने अस्तित्व की सबसे कठिन लड़ाई लड़ रही है। कभी मरुस्थल का सहारा माना जाने वाला यह अनमोल कल्पवृक्ष आज चौतरफा मानवीय लापरवाही और प्राकृतिक रोगों के कारण तेजी से खत्म हो रहा है।

हालात इतने बदतर हैं कि पश्चिमी राजस्थान के गांवों में प्रति खेत 5 से 7 खेजड़ियां एक साथ सूखकर ठूंठ बन रही हैं। शोधकर्ता रामनिवास तेतरवाल ने इस भयावह स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा है कि सोलर प्रोजेक्ट्स व माफिया ग्रीन एनर्जी के नाम पर लग रहे सोलर प्लांटों के लिए हजारों कल्पवृक्षों को बेरहमी से काट रहे हैं, जिसके कारण लकड़ी माफिया भी सक्रिय हो गए हैं और खेजड़ी की कटाई की जा रही है।

तेतरवाल ने बताया कि ?रासायनिक खादों का जहर खेतों में अंधाधुंध प्रयोग किया जाता है, जो खेजड़ी को काफी नुकसान पहुंचाता है। पर्यावरण प्रेमी रामनिवास तेतरवाल ने सरकार से मांग की है कि सोलर कंपनियों की आड़ में हो रही खेजड़ी की अवैध कटाई पर तुरंत रोकी जावे। उन्होंने कहा कि खेजड़ी मरुधरा की आत्मा है। वन विभाग और कृषि वैज्ञानिकों को तुरंत गांवों में जाकर इसके उपचार के लिए विशेष बचाव अभियान शुरू करना चाहिए। अन्यथा यह वृक्ष सिर्फ किताबों में सिमट कर रह जायेगा।

राशन डीलर पर राशन वितरण में अनियमितता का आरोप

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। तहसील के ग्राम जांदवा में राशन डीलर द्वारा गत माह का ग्रामीणों को राशन वितरित नहीं किया गया और इस माह भी जब ग्रामीणों को राशन के लिए चक्कर लगाने के हेतु मजबूर किया तो लोग आक्रोशित हो गए। इस पर किसान सभा के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे तो डीलर

द्वारा राशन वितरण का कार्य शुरू किया गया। मामला तहसील के ग्राम जांदवा का है। किसान सभा के मदनलाल जाखड़ ने बताया कि राशन डीलर मदनलाल द्वारा गत माह गांव में राशन वितरित नहीं किया गया और गत दिवस शुक्रवार को जब ग्रामीण इस माह का राशन लेने के लिए आए तो उनसे दो बार अंगुठा लगवाया गया। इस घटना का ग्रामीणों ने विरोध किया तथा किसान सभा को सूचना दी। किसान सभा द्वारा जब घटना को लेकर एतराज जताया गया, तो जिन ग्रामीणों के दो बार अंगूठे लगाए गए उन्हें गत माह का राशन देकर माफी मांगी। जाखड़ ने बताया कि उक्त डीलर द्वारा पूर्व में भी ग्राम बीरमसर में इस तरह की हरकत की गई थी और माफी मांगकर उक्त घटना को रफा-दफा किया गया था। लेकिन फिर उक्त हरकत डीलर की सामने आई है, जिसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की जाएगी। इस मौके पर किसान सभा के सचिव बिरजूराम खीचड़ सहित काफी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

575 प्रभुजी को महावीर इंटरनेशनल ने भोजन करवाया

नोखा (नवयत्न)। अपना घर आश्रम बेघर, असहाय और परिवार द्वारा त्यागे गए लोगों का आश्रय स्थल है तथा महावीर इंटरनेशनल के प्राणी मात्र की सेवा का संकल्प के अनुरूप यहां निवास करने वाले प्रभु जनों हेतु इस संस्था का सहयोग करना हमारा मानव धर्म हैष्ये विचार महावीर इंटरनेशनल वीरा केंद्र सचिव ललिता मंत्री ने अपना घर आश्रम में भोजन वितरण के अवसर पर व्यक्त किये।

महावीर इंटरनेशनल वीर केंद्र चेयरमैन सुरेंद्रकुमार हीरावत ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल की प्रेरणा से जनसेविका वीरा सरोजदेवी-मेघराज मरोठी द्वारा शादी के स्वर्ण जयंती वर्ष के शुभारंभ अवसर पर अपना घर आश्रम के 575 प्रभुजनों को भोजन प्रसाद

वितरित किया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह राठौड़, वीरा केंद्र चेयरपर्सन सरला अग्रवाल, बाबूलाल कांकरिया, ईश्वरचंद दूगड़, सिकरचंद पींचा, भंवरलाल पींचा, सीए. पंकज चांडक, भंवरलाल बुच्चा, विक्रम दूगड़ शारदादेवी दूगड़, जयश्री भूरा, मैनादेवी तापडिया, प्रिया राठी सहित आश्रम के कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। अपना घर आश्रम के प्रबंधक विकास तावणिया ने जनसेविका वीरा सरोजदेवी मरोठी के लिए शुभकामनाएं तथा महावीर इंटरनेशनल का इस प्रेरणा हेतु साधुवाद ज्ञापित किया।

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है?

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

भारत की वो जगहें, जहां आप देखने और खाने जा सकते हैं फलों से भरा बगीचा

क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आप पहाड़ियों में जा रहे हैं और वहां से आपको ट्रैवलिंग करने के दौरान फलों से लदा गार्डन दिखाई दे रहा हो? और वहां जाकर एक आधा फल तोड़कर खाने का मन कर रहा हो? ऐसी जगहों को देखकर सच में उस बगीचे के बीच खड़े होकर उसे निहारते रहना का मन करता है।

सेब का बगीचा - हिमाचल प्रदेश

हिमालयी पहाड़ों के सामने स्थित, किन्नौर, कोटगढ़, रोहड़ू, शिमला और आसपास के अन्य शहरों की ढलानों पर सेब के बाग देखने को मिल जाएंगे। आप फलों से लदी शाखाओं के चारों ओर टहलते हुए खूबसूरत फोटोज खींच सकते हैं। अगर आप यहां जाना ही चाहता है, तो जून और सितंबर के बीच जा सकते हैं।

आलू-बुखारा और जामुन - अमृतसर

खालसा कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर द्वारा बनाई गई आलू-बुखारा अमृतसरी, बेर की एक नई किस्म है जो काफी मीठी और पौष्टिक है। जावा और जापानी बेर, और यहां जिस नई नस्ल के बारे में बात की गई है, उसे अमृतसर के आसपास के बगीचों में देखा जा सकता है, आप इन्हें देखने के लिए जून से जुलाई के बीच जा सकते हैं। जामुन और शहतूत भी इस महीने में देखे जा सकते हैं।

आम - महाराष्ट्र

रत्नागिरी, अल्फोंसो किस्म के आमों का घर और पलशेत गांव से प्रसिद्ध है, जो कि बेहद शांत जगह है, देखने लायक जगहों में से एक है। बहुत सारे निजी सरकारी और गैर सरकारी होटल हैं जो पर्यटकों को बागों में टहलने का मौका देते हैं।

लीची - सहारनपुर

देहरादून कई चीजों के लिए मशहूर है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि देहरादून, सहारनपुर के करीब एक जगह, देश के उन गिने-चुने स्थानों में से एक है जहाँ आप लीची को उगते हुए देख सकते हैं। जब आप लीची देखने जा रहे हो, तो मुजफ्फरपुर जाना बिल्कुल न भूलें।

उत्तराखंड की वो जगहें जहां घूम सकते हैं आप कम बजट में

उत्तराखंड अपनी शानदार खूबसूरती और शांति के कारण देवताओं की भूमि के रूप में जाना जाता है जो दुनिया भर से पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है। उत्तराखंड में ऐसे कई शहर और हिल स्टेशन हैं, जहां घूमने का सपना हर किसी का होता है, खासकर यहां प्रकृति प्रेमियों को सबसे ज्यादा घूमते हुए देखा जाता है।

भीमताल : भीमताल उत्तराखंड के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में से एक है जो पूरे साल अपने सुहावने मौसम के लिए काफी ज्यादा लोकप्रिय है। नैनीताल के पास स्थित भीमताल अपनी झील की वजह से काफी ज्यादा मशहूर है और इसके आसपास की पहाड़ियां इसकी सुंदरता में चार चांद लगा देती हैं। नौका विहार भीमताल की सबसे पसंदीदा गतिविधियों में से एक है जो शांत और निर्मल है, यहां आप रॉक क्लाइम्बिंग के लिए भी जा सकते हैं।

देहरादून : भारतीय सैन्य अकादमी और एफआरआई के लिए प्रसिद्ध, देहरादून उत्तराखंड के सबसे लोकप्रिय शहरों में से एक है। यह शहर प्राकृतिक हरियाली और सुंदरता के लिए जाना जाता है जो कभी-कभी मंत्रमुग्ध कर देता है। आप देहरादून में इसके कई आउटलेट्स पर खरीदारी और

खाने का भरपूर मजा ले सकते हैं। यहां कई विभिन्न प्राकृतिक वाटर पार्क हैं, जहां आप फैमिली के साथ पिकनिक के रूप में जा सकते हैं।

मसूरी : देहरादून से 34 किमी की दूरी पर स्थित मसूरी उत्तराखंड के सबसे मनमोहक हिल स्टेशनों में से एक है। ठंडे और प्यारे मौसम का आनंद लेते हुए आप अपने प्रियजनों के साथ मॉल रोड का भरपूर मजा ले सकते हैं।

अल्मोड़ा : अल्मोड़ा अपनी समृद्ध विरासत, संस्कृति और हां अपनी सुंदरता के लिए काफी लोकप्रिय है। अल्मोड़ा में कसार देवी, जागेश्वर और कटारमल जैसे कई खूबसूरत और ऐतिहासिक मंदिर हैं। इस जगह में शानदार पहाड़ हैं और यह दर्शनीय स्थलों का आनंद लेने के लिए एकदम सही है। आप यहां कई अन्य गतिविधियाँ भी कर सकते हैं, जिसमें सूर्योदय और सूर्यास्त देखना शामिल है।

लैंसडाउन : लैंसडाउन उस प्रकार का हिल स्टेशन नहीं है जहां आपको एडवेंचर और आध्यात्मिक सहित कई गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा। लैंसडाउन से केदारनाथ पर्वत और चौकंभा का सुंदर दृश्य दिखाई देता है, जिसके चारों ओर बर्फ की चादर का नजारा बेहद खूबसूरत लगता है। यह जगह आपको तरोताजा और तनावमुक्त रखने के लिए प्राकृतिक हरियाली, कम भीड़ और पक्षियों के स्वर्ग से भरपूर है।

औली : औली में कुछ सबसे लुभावने दृश्य हैं जो आपने कभी देखे होंगे। यह उन सभी साहसिक प्रेमियों के लिए स्वर्ग है जो उत्तराखंड में यात्रा कर रहे हैं। बर्फ से लदी शानदार हिमालय और खूबसूरत बर्फ से ढके पूरे हिल स्टेशन का नजारा स्कीइंग करने वाले सभी लोगों के लिए बेहद अच्छा है।

रानीखेत

रानीखेत, जिसे फूलों का स्वर्ग भी कहा जाता है, में आपको मजेदार ट्रेकिंग ट्रेल्स देखने को मिल जाएंगे। यह स्थान सभी एडवेंचर प्रेमियों को बेहद पसंद आता है, जहाँ आप ट्रेकिंग, पैराग्लाइडिंग और एरी सफारी का आनंद ले सकते हैं। अगर आपका धार्मिक चीजों से भी काफी लगाव है, तो रानीखेत में आपको इनसे भी जुड़ी कई चीजें देखने को मिल जाएंगी।

30 का होने से पहले आप इन जगह का अनुभव ले

भारत में एडवेंचर्स चीजों की कोई कमी नहीं है, चाहे वो समुद्र के आसपास हो या रेगिस्तान और जंगलों में या पहाड़ियों के बीच हो, अपना देश रोमांचक चीजों से घिरा हुआ है। आपको बस ऐसी एडवेंचर चीजों के बारे में पता लगाने का जूनून होना चाहिए और करने के लिए थोड़ी बहुत हिम्मत की भी जरूरत है!

ऋषिकेश में राफ्टिंग/कैंपिंग : यह सबसे लोकप्रिय रोमांचों में से एक है, जिसे आप ऋषिकेश में अनुभव कर सकते हैं, जहां देश के हर कोने से आसानी से पहुंचा जा सकता है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग जैसे साहसिक खेल यहां के बेहद मशहूर हैं और गंगा किनारे की कैम्पिंग के तो क्या ही कहने!

मनाली से लेह तक बाइक राइड या ड्राइविंग : लेह जाना वैसे हर बाइकर की टू डू लिस्ट में जरूर होना चाहिए। लेह लद्दाख जाने का सपना हर किसी का होता है, तो क्यों न आप भी इस सपने को 30 का होने से पहले पूरा कर लें। मनाली से लेह की 475

किलोमीटर है, जहां के रास्तों से आपको कई जल निकाय और हरे भरे दृश्य देखने को मिल जाएंगे।

मुंबई से गोवा का रोड ट्रिप करें : गोवा जाने का सपना तो सभी का होता है, लेकिन उस सपने को और हसीन बनाने के लिए अगर रोड ट्रिप का सहारा ले लिया जाए, तो वो जिंदगीभर के लिए यादगार बन सकता है। दिल चाहता है मूवी तो आप सभी ने देखी होगी, बस अपने दोस्तों के साथ प्लान करिए और 30 का होने से पहले मुंबई से गोवा या दिल्ली से गोवा के लिए रोड ट्रिप के लिए निकल जाइए।

बर्फ की चादर पर लें ट्रैकिंग का मजा : जमी हुई नदी जांस्कर पर ट्रैकिंग का मजा लेना है तो, आपको यहां सर्दियों में जाना चाहिए, जहां पूरी जगह बर्फ से ढक जाती है। लेकिन सलाह यही है कि ये आप तभी करें, जब आप एकदम फिट हो, क्योंकि ट्रैकिंग में बेहद ठंडे और खतरनाक इलाकों से गुजरना पड़ता है।

फूलों की घाटी की खूबसूरती में हो जाएं मंत्रमुग्ध : फूलों की घाटी को भी आप घूमने की लिस्ट में जरूर शामिल कर लें। इस जगह का आनंद लेने के लिए आपको ट्रैकिंग करते हुए ऊपर तक जाना पड़ता है, जहां की खूबसूरती को देखने के बाद लोगों के मुंह से सिर्फ और सिर्फ वाह! ही निकलता है। कुछ ही दूरी पर बर्फ से ढके पहाड़ों से लेकर हरी-भरी घाटी तक, जैसे कि ब्लू पोस्पी, कोबरा लिली, ब्रम्हकमल आपको बेहद पसंद आएगी।

रेगिस्तान में कैम्पिंग : आपने अभी तक पहाड़ों पर कैम्पिंग की होगी, जरा एक बार जैसलमेर के रेगिस्तान में भी कैंपिंग करके देखिए, - ऊंट, नाच-गाने, खाने-पीने के साथ का ये मजा आपको यहां की कैंपिंग का दीवाना बना देगा।

बीर बिलिंग में पैराग्लाइडिंग : जब से इस जगह ने पैराग्लाइडिंग विश्व कप की मेजबानी की है, तब से बीर बिलिंग को भारत की पैराग्लाइडिंग राजधानी कहा जाता है। बीर बिलिंग में 10 से अधिक पैराग्लाइडिंग स्पॉट हैं और इस जगह की सुंदरता को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है।

कच्छ के रण की भव्यता का करें अनुभव : माना जाता है कि थार रेगिस्तान में यह नमक दलदल दुनिया के सबसे बड़े नमक रेगिस्तानों में से एक है। सफेद नमक के इस विशाल खंड की यात्रा करने का सबसे अच्छा समय कच्छ रण उत्सव के दौरान होता है जो हर साल नवंबर में आयोजित किया जाता है। गुजरात का कच्छ है ऐतिहासिक और आधुनिक जगहों से भरपूर, आप भी एक बार यहां के टूरिस्ट प्लेसेस का मजा उठाइए

त्रिउंड और मैक्लोडगंज की सुंदरता से हो जाएं मंत्रमुग्ध : राजसी धौलाधार पर्वतमाला के शानदार दृश्यों के साथ ट्रैक प्रेमियों के लिए मौजूद यहां अद्भुत ट्रैक्स, लोगों को बेहद आकर्षित करते हैं। इतना ही नहीं, मैक्लोडगंज भागसू जलप्रपात, दलाई लामा मंदिर परिसर, एचपीसीए स्टेडियम और कांगड़ा किला जैसे कई स्थानीय आकर्षणों से घिरा हुआ है।

जिम कॉर्बेट में टाइगर देखें : एक फोटोग्राफर के लिए इससे खुशी की बात और क्या होगी, जहां उसे जंगल सफारी करते हुए टाइगर दिख जाए। 30 का होने से पहले आप भी इस चीज़ का अनुभव जरूर लें। आप जंगल सफारी करते हुए रॉयल बंगाल टाइगर, इंडियन हॉग डियर, सांभर हिरण, एशियाई हाथी, काला भालू, सुस्त भालू और कई अन्य जैसे जंगली जानवरों को देख सकते हैं।

गुजरात का स्तंभेश्वर मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को गायब मंदिर भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं।

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर : स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे गायब मंदिर भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख : स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था। कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र

के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था। एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे।

सुरक्षा गार्ड पर चाकू से जानलेवा हमला कर मोबाइल लूटने वाला गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी के पॉश क्षेत्र सी-स्कीम में सुरक्षा गार्ड पर चाकू से जानलेवा हमला कर मोबाइल लूटने की वारदात करने वाले आरोपित को अशोक नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू और लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 26 जून को लाजपत मार्ग स्थित एक परिसर में तैनात सुरक्षा गार्ड अमित चौहान शौच करने जा रहे था इसी दौरान चोरी के इरादे से परिसर में घुसे बदमाश ने पीछे से उनकी गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले के दौरान गार्ड का मोबाइल नीचे गिर गया और आरोपी ने दोबारा हमला करने का प्रयास किया। लेकिन गार्ड ने साहस दिखाते हुए उसका हाथ पकड़ लिया। इसके बाद बदमाश मोबाइल उठाकर परिसर के भीतर से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की सहायता से साक्ष्य जुटाए।

घायल गार्ड को तत्काल एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई। इधर वारदात की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी विश्लेषण और क्षेत्र के करीब 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद आरोपित दिलखुश कुमार उर्फ दिलखुश बंजारा 21 निवासी सिकंदरा दौसा हाल खानाबदोश रामनिवास बाग जयपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में भी आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। उसके कब्जे से हमले में प्रयुक्त चाकू और लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा, उपनिरीक्षक राजकुमार, साइबर सेल के हेड कांस्टेबल लोकेश कुमार, कांस्टेबल लक्ष्मण, कमलेश, ज्योति नगर थाना के राहुल, विधायकपुरी थाना के आसाराम तथा कांस्टेबल फूल सिंह और लक्ष्मीनारायण की सराहनीय भूमिका रही।

शनि प्रदोष पर शिवालयों में हुआ सहस्त्रघट और रुद्राभिषेक

निसं

जयपुर (नवयत्न)। छोटीकाशी के नाम से प्रसिद्ध जयपुर शहर में शनिवार को शनि प्रदोष के पावन अवसर पर सभी शिव मंदिरों में भक्ति का अनूठा सैलाब उमड़ा। इस विशेष योग पर श्रद्धालुओं ने दिनभर व्रत-उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की और शाम को प्रदोष काल के शुभ मुहूर्त में दूध व जल से बाबा का अभिषेक किया।

प्रमुख शिव मंदिरों में लगी कतारें, शाम को सजीं नयनाभिराम झांकियां-शनि प्रदोष के चलते चौड़ा रास्ता स्थित आराध्य ताड़केश्वर नाथ, वैशाली नगर के झारखंड महादेव, बनीपार्क के जलेश्वर महादेव और छोटी चौपड़ स्थित रोजगारेश्वर महादेव सहित शहर के तमाम छोटे-बड़े शिव मंदिरों में सुबह से ही जलाभिषेक करने वाले भक्तों का तांता लगा रहा। देर शाम प्रदोष काल की पूजा के समय सभी शिवालयों में भगवान शिव का फूलों और विशेष वस्त्रों से मनमोहक श्रृंगार कर मनोरम झांकियां सजाई गईं, जिनके दर्शनों के लिए भारी भीड़ उमड़ी। इसी कड़ी में श्री गैटेश्वर कला संस्थान के तत्वावधान में गैटोर की छतरियां स्थित अति प्राचीन शिवालय श्री गैटेश्वर महादेव में शनि प्रदोष पर भव्य सहस्त्रघट और श्रुद्राभिषेक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। संस्थान के मंत्री ओ पी चांडक ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार सुबह 11 बजे से ही वैदिक मंत्रोचार के बीच बाबा गैटेश्वर नाथ का जलाभिषेक और पंचामृत अभिषेक शुरू किया गया। इसके बाद संध्याकाल में भगवान शिव का विभिन्न प्रकार के सुगंधित पुष्पों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। शाम 7:30 बजे मुख्य महाआरती उतारी गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ कमाया। देर रात तक शिव मंदिरों में हर-हर महादेव और नमः शिवाय के जयकारे गूंजते रहे। महाआरती के पश्चात भक्तों को विशेष रूप से तैयार पंचामृत और प्रसादी का वितरण किया गया।

अणुव्रत समिति नोखा की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

निसं

नोखा (नवयत्न)। अणुव्रत समिति नोखा की वार्षिक साधारण सभा बैठक तेरापंथ भवन महावीर चौक में संपन्न हुई। मंत्री गजेंद्र पारख ने बताया कि वार्षिक साधारण सभा की बैठक 6 बजे संयम गीत के साथ प्रारंभ हुई जिसमें गत वर्ष की गतिविधियों का ब्यौरा अध्यक्ष रमेश कुमार व्यास ने प्रस्तुत किया। वर्ष पर्यंत किए गए प्रकल्प एवं गतिविधियों की समीक्षा की गई। आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई व आगामी वर्ष में पर्यावरण, नशामुक्ति पर विशेष कार्य करने व अणुव्रती ज़्यादा से ज़्यादा बनाने का संकल्प लिया। कोषाध्यक्ष हरिकृष्ण शर्मा ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हंसराज भूरा, इंदरचंद मोदी, पूर्व अध्यक्ष सुमन भूरा, अनिल जैन, निर्मल चौपड़ा, अरिहंत सुखलेचा, अरुण भूरा सहित सामान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ राजेंद्र कुमार सोनी ने सदस्यता ग्रहण की। व्यास ने बताया अगले माह में अणुव्रत वाटिका का शुभारंभ किया जा रहा है, वर्तमान में कार्य प्रगति पर हैं। शीघ्र वृक्षारोपण कर समिति को समर्पित किया जाएगी ।

मारपीट, परस्पर दो जने घायल

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। दुजार में पिछले तीन दिनों से आपस में लगातार मारपीट का सिलसिला जारी है। यहां शुक्रवार शाम को असलम रमजुदीन सिलावट ने खेत जा रहे इमरान पुत्र अब्दुल गनी सोलंकी के साथ मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया जिससे उसके दोनों पैर एक हाथ में फ्रैक्चर हो गया। घायल इमरान सोलंकी को लाडनूं के राजकीय चिकित्सालय लाया गया जहां से जयपुर रैफर किया गया। वहीं शनिवार को घायल फकीर मोहम्मद पुत्र रमजुदीन सिलावट निवासी दुजार ने रिपोर्ट देकर बताया कि जब मैं रिपोर्ट देके वापस आ रहा था उतने में असलम पुत्र खलील, सरीफ पुत्र जफरुदीन और अजरुदीन ने आड़े फिर कर लोहे के सरिये से उसके साथ मारपीट की है। घटना के बाद फकीर मोहम्मद को भी लाडनूं के राजकीय चिकित्सालय लाया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि एक महिला से बातचीत करने पर उनको टोकने के बाद यह विवाद बढ़ा है।

जहां पहुंचे, वहां हरियाली छोड़ गए...
मरुस्थल में ग्रीन मैन बन चुके हैं निहाल सिंह लांबा
एक लाख से ज्यादा पौधे लगाए

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। राजस्थान के रेगिस्तान में जहां लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करते हैं, वहीं एक शिक्षक पिछले चार दशक से हरियाली की ऐसी इबारत लिख रहे हैं, जिसकी छांव आने वाली पीढ़ियां महसूस करेगी। चूरू के व्याख्याता निहाल सिंह लांबा आज सिर्फ शिक्षक नहीं बल्कि हजारों पेड़ों के संरक्षक और पर्यावरण संरक्षण की एक जीवंत मिसाल बन चुके हैं। उनकी पहचान ऐसी बन गई है कि लोग कहते हैं-जहां निहाल सिंह की पोस्टिंग होती है, कुछ वर्षों बाद वहां बंजर जमीन नहीं, हरियाली नजर आती है। स्वतंत्रता सेनानी पिता नारायण सिंह लांबा से मिली प्रकृति प्रेम की विरासत को उन्होंने अपना जीवन मिशन बना लिया। युवावस्था में शुरू हुआ पौधरोपण का सफर आज भी उसी जुनून के साथ जारी है। अब तक वे एक लाख से अधिक पौधे लगा चुके हैं और हर पौधे को बच्चे की तरह पालकर वृक्ष बनाने तक उसकी देखभाल करते हैं।

डाइट परिसर बना हरियाली का मॉडल

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), चूरू के परिसर में कभी बंजर जमीन और सूना वातावरण था, वहां आज 157 से अधिक प्रजातियों के 13000 से ज्यादा पौधे लहलहा रहे हैं। औषधीय पौधों से लेकर छायादार वृक्षों तक पूरा परिसर अब एक जीवंत हरित प्रयोगशाला बन चुका है। यह सब निहाल सिंह लांबा के प्रयासों से हुआ यहां पोस्टिंग के दौरान उन्होंने काफी पेड़ लगाए।

सिर्फ पौधे नहीं, पर्यावरण के प्रहरी भी तैयार कर रहे

निहाल सिंह लांबा केवल पौधे नहीं लगाते बल्कि विद्यार्थियों के भीतर प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी जगाते हैं। वे उन्हें पौधरोपण, संरक्षण और पर्यावरण संतुलन का महत्व समझाते हैं। इसका असर यह है कि कई छात्र-छात्राएं अपने गांवों में भी पौधरोपण अभियान चला रहे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि पहले जहां परिसर सूना दिखाई देता था, आज चारों ओर हरियाली, पक्षियों की चहचहाहट और स्वच्छ वातावरण मन को सुकून देता है।

परिवार भी बना इस हरित अभियान का मजबूत साथी

निहाल सिंह लांबा की इस चार दशक लंबी पर्यावरण यात्रा में उनके परिवार का भी अहम योगदान रहा है। उनकी पत्नी कुलदीप लांबा बताती हैं कि निहाल सिंह ने हमेशा पेड़ों को परिवार के सदस्य की तरह माना है। छुट्टियां हो या अवकाश, उनका अधिकांश समय पौधों की देखभाल में ही बीतता है। कई बार पूरा परिवार भी उनके साथ पौधरोपण और पौधों की सुरक्षा के कार्य में जुड़ जाता है। कुलदीप लांबा कहती हैं पेड़ लगाना उनके लिए केवल शौक नहीं बल्कि जीवन का उद्देश्य है। हमने हमेशा उन्हें इसी काम के लिए प्रेरित किया है। आज जब वर्षों पहले लगाए गए पौधे विशाल वृक्ष बनकर लोगों को छाया और स्वच्छ हवा दे रहे हैं, तो पूरे परिवार को गर्व महसूस होता है। वहीं उनकी बेटी मोनिका कहती हैं बचपन से हमने पापा को पौधों की सेवा करते देखा है। उन्होंने हमें सिखाया कि प्रकृति से प्रेम करना ही सबसे बड़ी सेवा है। आज जब लोग उन्हें ग्रीन मैन के नाम से पहचानते हैं तो हमें बेहद गर्व होता है। उनके इस मिशन को आगे बढ़ाना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी। यह वर्जन फीचर स्टोरी को भावनात्मक स्पर्श देगा और बताएगा कि निहाल सिंह लांबा के पर्यावरण मिशन के पीछे उनका परिवार भी एक मजबूत सहारा रहा है।

सेवानिवृत्ति के बाद भी नहीं थमेगा सफर

निहाल सिंह लांबा कहते हैं कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनका पूरा जीवन पर्यावरण संरक्षण को समर्पित रहेगा। उनका मानना है कि पेड़ लगाना एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि वर्षों तक निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है।

जहां भी गए, वहां छोड़ गए हरियाली की पहचान

तारानगर, सरदारशहर और चूरू क्षेत्र के अनेक सरकारी विद्यालयों, श्मशान भूमि, सार्वजनिक स्थलों, शिक्षा विभाग के कार्यालयों और गांवों में वे हजारों पौधे लगाकर उन्हें वृक्ष बना चुके हैं। अब तक लांबा तारानगर तहसील के गांव करणपुरा, भालेरी, सोमासी, सरदारशहर तहसील के गांव साड़ासर, गिड़गिचिया, चूरू के गाजसर, झारिया, पारख बालिका, बागला राजकीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी सहित विभिन्न गांव के राजकीय विद्यालयों में अपनी सेवाएं देकर वहां को हरा-भरा बना चुके हैं। इसके अलावा लाम्बा ने डीईओ ऑफिस, जेडी ऑफिस सहित शमशान भूमि व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी पौधे लगाए हैं आज वे स्थान उनकी पहचान बन चुके हैं। वर्तमान में निहाल सिंह लांबा की पोस्टिंग चार साल से झारिया गांव के राजकीय विद्यालय में हैं।

एक व्यक्ति, हजारों पेड़ और अनगिनत प्रेरणाएं

बढ़ते तापमान, घटते भूजल और बिगड़ते पर्यावरण के दौर में निहाल सिंह लांबा का काम यह साबित करता है कि बदलाव किसी बड़ी योजना से नहीं बल्कि एक व्यक्ति के संकल्प से भी शुरू हो सकता है। उन्होंने यह दिखाया है कि यदि इच्छाशक्ति हो तो रेगिस्तान की धरती भी हरियाली से मुस्कुरा सकती है। मरुधरा की तपती रेत पर निहाल सिंह लांबा केवल पेड़ नहीं लगा रहे बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ठंडी छांव, स्वच्छ हवा और उम्मीद का भविष्य तैयार कर रहे हैं।

पीबीएम अस्पताल परिसर में हंगामा

पुलिस और यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता हुए आमने-सामने

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। पीबीएम अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर शनिवार को कांग्रेस, यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अस्पताल प्रशासन और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चिकित्सा मंत्री का पुतला दहन किया तथा अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब कार्यकर्ता अस्पताल अधीक्षक को कार्यालय से बाहर बुलाकर ज्ञापन देने की मांग पर अड़ गए। प्रदर्शनकारियों ने अधीक्षक के बाहर नहीं आने पर विरोध तेज कर दिया। हालात बिगड़ते देख मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप किया और प्रदर्शनकारियों को अधीक्षक कार्यालय की ओर बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस के साथ हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को अस्पताल परिसर से बाहर कर दिया। घटना के बाद कुछ समय तक अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। कांग्रेस और एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया कि पीबीएम अस्पताल में लंबे समय से अव्यवस्थाओं का दौर जारी है, लेकिन बार.बार विरोध जताने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। देहात एनएसयूआई अध्यक्ष श्रीकृष्ण गोदारा ने कहा कि जनता की समस्याओं को उठाने वाले विपक्षी कार्यकर्ताओं की आवाज पुलिस के जरिए दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान 30 जून को प्रस्तावित कलेक्ट्रेट घेराव को लेकर भी कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन किया। गोदारा ने कहा कि आगामी आंदोलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे और प्रशासन तक जनता की नाराजगी पहुंचाई जाएगी।

अभा बिश्नोई महासभा के भरोसे घायल वन्य जीवों का भोजन-पानी

सरकार के पास डॉक्टर, स्टाफ और एंबुलेंस देने का बजट नहीं

मुकाम के रेस्क्यू सेंटर में 23 दिन में 99 बेजुबानों की मौत

निसं

नोखा (नवयत्न)। पश्चिमी राजस्थान में घायल वन्यजीवों के लिए सबसे बड़े सहारा केंद्रों में शामिल मुकाम रेस्क्यू वार्ड आज खुद सरकारी सिस्टम के वेंटिलेटर पर है। जिस केंद्र में घायल हिरण, चिंकारा, नीलगाय और मोर को नया जीवन मिलने की उम्मीद होती है, वह आज सरकारी उपेक्षा, संसाधनों की कमी और चिकित्सकीय दावों की पोल खोल रहा है। पिछले 23 दिनों में सेंटर पर 99 वन्यजीवों ने दम तोड़ दिया है, यानी हर दिन औसतन चार से अधिक मौतें हो रही हैं। मई 2025 से जून 2026 तक उस सेंटर में 1298 घायल वन्यजीव पहुंचे, जिनमें से 1100 से अधिक की मौत हो गई। मौत का यह आंकड़ा वन्यजीव प्रेमियों को झकझोर रहा है। इस पूरे बदहाल सिस्टम के बीच अगर बेजुबान सांस ले पा रहे हैं, तो उसका एकमात्र श्रेय अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई महासभा को जाता है। महासभा पूरी निष्ठा के साथ केंद्र का संचालन कर रही है। वहां भर्ती वन्यजीवों के लिए प्रतिदिन लगभग 50 किलो अनाज, 40 किलो हरा चारा और छोटे हिरणों के लिए दूध की व्यवस्था महासभा अपने स्तर पर कर रही है। सालभर में करीब 100 क्विंटल अनाज और पानी का पूरा खर्च महासभा उठा रही है, जो जीव दया की अनूठी मिसाल है। महासभा व्यवस्थाएं संभाल रही है, लेकिन डॉक्टरों की नियुक्ति, प्रशिक्षित स्टाफ और घायल जीवों को लाने के लिए रेस्क्यू गाड़ी भेजने की जिम्मेदारी वन विभाग और सरकार की हैए जहां तंत्र पूरी तरह फेल साबित हुआ है। 10 बीघा के इस केंद्र में न तो गंभीर रूप से घायल जीवों के लिए कोई आईसीयू वार्ड है, न ऑपरेशन थिएटर और न ही आधुनिक उपकरण। हैरान करने वाली बात यह है कि पूरा रेस्क्यू सिस्टम सिर्फ6 कर्मचारियों के भरोसे है, जिनमें से 5 पूरी तरह अनपढ़ हैं। उन्हें तकनीकी या चिकित्सकीय ज्ञान मुकाम में बना रेस्क्यू सेंटर ही घायल वन्यजीवों का सबसे बड़ा सहारा है। 24 घंटे रहने वाले किसी स्थाई वन्यजीव डॉक्टर की नियुक्ति नहीं है। रात के समय जब कोई गंभीर घायल जीव आता है, तो वह तड़प-तड़प कर दम तोड़ देता है। इसके अलावा, हिंसक वन्यजीवों और कमजोर जीवों के लिए अलग-अलग बाड़े तक नहीं हैं, जिससे बड़े हिरण कई बार घायल जीवों पर हमला कर देते हैं।

इनका कहना है

चिंकारा और कृष्णमृग जैसी प्रजातियां समय पर इलाज मिलने पर बच सकती हैं। मगर 24 घंटे डॉक्टर नहीं हैं। खेतों की कंटीली जालियों, करंट और कुत्तों के हमलों से घायल जीव जब आते हैं, तो आधुनिक उपकरणों और आईसीयू के अभाव में दम तोड़ देते हैं। मैं अकेला नियमित कर्मचारी हूंए मुझे भी दूसरी ड्यूटी पर भेज दिया जाता है। सरकार को तुरंत रोटेशन पर प्रशिक्षित स्टाफ, अलग बाड़े और आईसीयू की सुविधा देनी चाहिए।

सहीराम बिश्नोई, इंचार्ज एवं वनरक्षक, मुकाम रेस्क्यू वार्ड

महासभा बेजुबानों के चारे-पानी और दूध के लिए दिन.रात जुटी है, लेकिन सरकार की अव्यवस्था सब पर पानी फेर रही है। कई बार सूचना देने के बाद भी समय पर रेस्क्यू गाड़ी नहीं पहुंचती। डॉक्टर न होने से घायल वन्यजीव रास्ते में, मौके पर या सेंटर पर आते ही दम तोड़ देते हैं। सरकार तुरंत मुकाम को पूर्ण विकसित रेस्क्यू सेंटर का दर्जा देकर 24 घंटे डॉक्टरों की तैनाती करे, नहीं तो आंदोलन किया जाएगा।

रामनिवास बिश्नोई, केंद्रीय मुख्य संगठन मंत्री, अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई महासभा

मानसून आपदा से निपटने के लिए एसडीआरएफ मुस्तैद

कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने लिया रेस्क्यू टीम का जायजा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राज्य आपदा प्रतिसाद बल एसडीआरएफ ने राज्यभर में अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। एसडीआरएफ की 70 अत्याधुनिक रेस्क्यू टीमों को 35 संवेदनशील जिलों में तैनात किया गया है। सभी टीमों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

तैयारियों का जायजा लेने के लिए एसडीआरएफ के कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने दौसा में तैनात रेस्क्यू टीम का निरीक्षण किया और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अधिकारियों व जवानों के साथ बैठक कर बाढ़ बचाव, जलभराव वाले क्षेत्रों में रेस्क्यू रणनीति तथा सूचना तंत्र को मजबूत बनाने पर चर्चा की। उन्होंने जवानों से आपदा की हर स्थिति में संवेदनशीलता, तत्परता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि आपदा सेवार्थ कटिबद्धता एसडीआरएफ का मूल मंत्र है। कमांडेंट के निर्देश पर एसडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट और सहायक कमांडेंट भी विभिन्न जिलों में तैनात टीमों का आकस्मिक निरीक्षण कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान रेस्क्यू टीमों की कार्यकुशलता के साथ आवास, भोजन, ईंधन, संचार व्यवस्था और अन्य संसाधनों की उपलब्धता का भी मूल्यांकन किया जा रहा है, ताकि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। दौसा में आयोजित समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकरलाल भी मौजूद रहे। एसडीआरएफ ने भरोसा दिलाया है कि मानसून के दौरान किसी भी आपदा से निपटने के लिए उसकी टीमें पूरी तरह प्रशिक्षित, सतर्क और चौबीसों घंटे मुस्तैद हैं।

140 ढोढा-चटनी का भोग अर्पित, सद्गुरु टेऊँराम की सजी दिव्य झांकी

जयपुर (नवयत्न)। श्री अमरापुर स्थान में प्रेम प्रकाश मंडलाचार्य आचार्य सद्गुरु स्वामी टेऊँराम महाराज का पावन चालिहा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को आगामी 140वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आचार्य के विग्रह के समक्ष 140 ढोढा-चटनी महाप्रसादी का विशेष भोग अर्पित कर मनोहारी झांकी सजाई गई, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। स्वामी मोहन प्रकाश महाराज ने बताया कि 19 जुलाई को होने वाले 140वें जन्मोत्सव की तैयारियों के तहत यह विशेष भोग लगाया गया। उन्होंने बताया कि सिंध के टंडे आदम स्थित श्री अमरापुर स्थान की परंपरा के अनुसार आचार्य श्री सद्गुरु टेऊँराम जी प्रत्येक श्रद्धालु को ढोढा.चटनी महाप्रसादी ग्रहण कराते थे और आज भी सभी आश्रमों में यह परंपरा निरंतर निभाई जा रही है। इस अवसर पर दो दिवसीय प्रवास पर पधारे प्रेम प्रकाश मंडल अध्यक्ष स्वामी भगत प्रकाश महाराज ने सत्संग में आचार्य की महिमा का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति का संदेश दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत भामरवासी
पं.स. चिड़ावा, जिला-झुन्झुनूं

क्रमांक : 37 दिनांक : 25/06/2026

खुली-निविदा सूचना

इस कार्यालय द्वारा खुली-निविदा सूचना आमंत्रित की गई है। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्तें वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रूपयों में)	NIB No.	UBN No.
1.	ग्राम पंचायत भामरवासी में 01 तथा केहरपुरा में 01 हाई मास्क लाईट लगाने का कार्य	307000/-	ZJU2627A0318	ZJU2627WSOB00542

प्रशासक
ग्राम पंचायत भामरवासी
पंचायत समिति चिड़ावा

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत भामरवासी
पंचायत समिति चिड़ावा

रैली निकाल कर दिया पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाने का संदेश

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। चिकित्सा विभाग के राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत शनिवार को जिला मुख्यालय पर नर्सिंग विद्यार्थियों ने जन जागरूकता रैली निकाल कर शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को दो बूंद पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाने का संदेश दिया। जिला मुख्यालय पर श्री कल्याण अस्पताल में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतनलाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विशाल सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली का रवाना किया।

रैली सीकर शहर के कल्याण सर्किल, स्टेशन रोड, तापड़िया बगीची होते हुए वापस श्रीकल्याण अस्पताल पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में जीएनएमटीसी, एएनएमटीसी के छात्र-छात्राएं हाथों में 28 जून से शुरू होने वाली तीन दिवसीय अभियान से संबंधित पोस्टर, बैनर लेकर नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतनलाल ने बताया कि चिकित्सा विभाग की ओर से अभियान से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है और अभियान के लिए प्रकोष्ठ प्रभारी एवं जोनल अधिकारी, सैक्टर अधिकारी, सुपरवाइजर, वैक्सीन डिपो प्रभारी एवं वैक्सीनेटर नियुक्त कर दिए गए है। उन्होंने आमजन से जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को अभियान के तहत पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाने की अपील हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि जिले में जन्म से पांच वर्ष तक के 3 लाख 16 हजार 418 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। पहले दिन बच्चों को पोलियो बूथ दवा पिलाई जाएगी। इसके लिए जिले में 3 हजार 244 बूथ बनाए गए हैं।

उन्होंने अभिभावकों से रविवार को बूथ पर बच्चों को लेकर जाकर पोलियो की खुराक पिलाने का आह्वान किया है। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विशाल सिंह ने बताया कि अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। रविवार को जिले में जन्म से पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के जोनल अधिकारी, सैक्टर अधिकारी एवं मोबाइल टीमें बनाई गई है। पहले दिन 28 जून रविवार को बूथ पर बच्चों को ऑरल पोलियो वैक्सीन पिलाई जाएगी और जो किसी कारणवश बूथ पर नहीं आने वाले बच्चों को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सोमवार, मंगलवार को घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि घर घर भ्रमण के लिए 3 हजार 244 टीमें बनाई गई है। इसके साथ ही 48 ट्रांजिट टीमें, 14 मोबाइल टीमें, 100 वैक्सीन डिपो, 342 सुपरवाइजर, 187 सेक्टर अधिकारी, 13 जोनल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान का शुभारंभ रविवार को सुबह नौ बस डिपो में बनाए गए बूथ पर बच्चों को दवा पिलाकर किया जाएगा। वहीं जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर भी शुभारंभ होगा। जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की सघन मॉनिटरिंग की जाएगी।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आज से

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत रविवार, 28 जून, 2026 को जिलेभर में 1531 बूथों पर पल्स पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। अभियान के तहत 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाने के लिए बूथ बनाए गए हैं। जिले में 3 लाख 24 हजार 789 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा ने बताया कि भारत के पड़ोसी देशों अफगानिस्तान व पाकिस्तान के अतिरिक्त समस्त विश्व से पोलियो के वायरस का लगभग उन्मूलन हो चुका है। भारत में वर्ष 2014 में पोलियो का उन्मूलन हो चुका है तथा गत वर्षों से पोलियो रोग का एक भी रोगी नहीं पाया गया है। भारत को पोलियो मुक्त बनाये रखने के लिये 5 वर्ष के सभी बच्चों को एक साथ बूथ पर लाकर दवा पिलाना अति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिला एवं खण्ड स्तर पर चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, महिला अधिकारिता विभाग सहित अन्य सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए निर्देश दिए गए है। उन्होंने बताया कि ईंट-भट्ठों पर कार्यरत मजदूरों एवं घुमंतू जातियों के बच्चों को पोलियो की वैक्सीन पिलाई जाएगी। आरसीएचओ डॉ शशांक चौधरी ने बताया कि रविवार, 28 जून को बूथ पर पोलियो की दवा पिलाई जायेगी तथा दूसरे व तीसरे दिन स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर.घर जाकर बच्चों को दवा पिलाई जायेगी। अभियान के तहत घुमन्तु जातियों विशेष तौर पर गाडिया लौहारों, पत्थरों का कार्य करने वालों, गृह निर्माण व ईट भट्टों पर कार्य करने वाले श्रमिकों के बच्चों के लिए विशेष अभियान चलाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। सभी ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी लगातार अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करेंगे तथा सभी बच्चों को बूथ पर लाकर दवा पिलाने में सहयोग देंगे।

पटवारी एक हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी ने भीलवाड़ा जिले में कार्रवाई करते हुए करेडा तहसील के पटवार हल्का चिलेश्वर के पटवारी लोकेश जोशी को फौतगी नामांतरण खोलने की एवज में एक हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी पटवारी ने परिवादी से कुल 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जिसे बाद में 8 हजार रुपये में तय किया गया था। एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार परिवादी ने एसीबी कार्यालय में शिकायत दी थी कि उसके पिता की मृत्यु के बाद राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कृषि भूमि का फौतगी नामांतरण परिवार के नाम खोलने के लिए पटवारी लोकेश जोशी रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत में बताया गया कि आरोपी पहले ही 20 जून 2026 को 5 हजार रुपये ले चुका था और शेष 3 हजार रुपये की मांग कर रहा था। शिकायत का सत्यापन करने के दौरान आरोपी पटवारी ने परिवादी से 1000 रुपये की रिश्वत ली और शेष 1000 रुपये बाद में लेने पर सहमति जताई। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाया। एसीबी भीलवाड़ा प्रथम टीम के उप अधीक्षक पारसमल के नेतृत्व में शनिवार को ट्रैप कार्रवाई की गई। आरोपी पटवारी ने परिवादी से 1000 रुपये लेकर अपनी पहनी हुई लोअर की जेब में रख लिए, जहां से एसीबी टीम ने रिश्वत की राशि बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

तेजाजी मंदिर में चोरी का प्रयास, ग्रामीणों में आक्रोश

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। निकटवर्ती गांव मूंधड़ा की गौशाला में स्थित तेजाजी महाराज की मूर्ति को एक चोर ने खंडित करने का प्रयास किया है। दरअसल आरोपी युवक मंदिरों में चोरी करने का आदि है और उसने मंदिर में घुसकर तेजाजी की मूर्ति पर लगे भाले और तलवार को निकाला और उसी से दानपात्र को तोड़ने का प्रयास किया। इस दौरान भाला क्षतिग्रस्त हो गया। प्रशासक चैनाराम ने बताया कि सांप की पूंछ का एक हिस्सा भी टूटा हुआ है। मामले को लेकर ग्रामीणों की ओर से सदर थाने में प्रार्थना पत्र दिया गया है। वहीं आरोपी युवक सीसीटीवी में भी कैद हुआ है। इस बारे में सदर थाने के सीआई पुष्पेंद्र झाझड़िया ने बताया कि आरोपी की पहचान उड़वाला गांव के निवासी हेमसिंह के रूप में हुई है, जो मंदिरों में चोरी करने का आदि है। झाझड़िया ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। वहीं डीएसपी दरजाराम बोस ने बताया कि पुलिस मामले में गंभीरता से जांच कर रही है। आपको बता दें कि इस मामले को लेकर आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर पोस्ट कर राज्य सरकार से जल्द से जल्द मूर्ति खंडित करने वाले असामाजिक तत्वों जल्द से जल्द कानूनी कार्यवाही करे। वहीं ग्रामीण भी मामले में आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। दूसरी ओर दोपहर में ग्रामीणों की ओर से मूर्ति के सामने धरना देकर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की गई।

सभी बूथों पर मन की बात कार्यक्रम के साथ डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण भी किया जाएगा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का 135 वां एपिसोड 28 जून रविवार को सुबह 11 बजे प्रसारित होगा। इस कार्यक्रम में वे देश-विदेश के नागरिकों के साथ विभिन्न प्रेरणादायी विषयों और राष्ट्र निर्माण के मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का विशेष प्रसारण रविवार को प्रदेश कार्यालय सहित प्रदेशभर के सभी बूथों और मंडल पर सुना जाएगा। प्रदेश कार्यालय में इसका लाइव प्रसारण किया जाएगा। जिसमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ तथा कई प्रदेश पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे । पिछली बार 43220 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना गया था। इस बार 80 प्रतिशत बूथों का लक्ष्य लिया गया है जिसमें राजस्थान एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। मन की बात के प्रदेश संयोजक मोतीलाल मीणा ने बताया कि सभी प्रदेश पदाधिकारी और मोर्चा पदाधिकारी सोशल मीडिया पर अपना प्रवास कार्यक्रम जारी करेंगे और सभी को अलग अलग बूथ पर मन की कार्यक्रम सुनने के लिए आग्रह किया गया है । मन की बात कार्यक्रम के बाद बूथ बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमे सभी कार्यकर्ताओ को सरल ऐप का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसके बाद सरल ऐप पर ही 20 संगठनात्मक सवालों का जवाब देना पड़ेगा और पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान का ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्राप्त होगा ।

श्री गंगा गौशाला में बनेगा पांच लाख लीटर का वॉटर हार्वेस्टिंग कुंड

निसं

नोखा (नवयत्न)। जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और गोसेवा को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के तहत श्रीगंगा गौशाला, नोखा में लगभग पांच लाख लीटर क्षमता का वैज्ञानिक वर्षा जल संचयन कुंड बनाया जाएगा। गौशाला प्रबंधन का दावा है कि नोखा क्षेत्र की गौशालाओं के इतिहास में यह अपनी तरह की पहली परियोजना होगी, जिसमें वर्षा जल का वैज्ञानिक तरीके से संग्रहण कर गोमाताओं के उपयोग में लिया जाएगा। गौशाला के अध्यक्ष निर्मल कुमार भूरा ने बताया कि कुंड का निर्माण पूर्णत: आरसीसी तकनीक से किया जाएगा। लगभग 50 फीट गुना 75 फीट क्षेत्रफल में बनने वाले इस जल कुंड की संग्रहण क्षमता करीब पांच लाख लीटर होगी। इसमें वर्षा जल संरक्षण की आधुनिक पाइपलाइन और फिल्टर प्रणाली विकसित की जाएगी। उन्होंने बताया कि गोशाला परिसर में बने लगभग 2200 वर्गफीट के चारा गोदाम, विभिन्न भवनों की छतों और 150 फीट गुना 50 फीट के विशाल शेड सहित सभी छतों का वर्षा जल पाइपलाइन के माध्यम से सीधे कुंड में एकत्रित किया जाएगा। परिसर का क्षेत्र इतना बड़ा है कि अच्छी वर्षा होने पर एक ही बारिश में जल कुंड भर सकेगा। वर्षा जल संचयन परियोजना के अभियान संयोजक सतीश कुमार झंवर ने बताया कि वर्षा का जल प्राकृतिक रूप से सबसे शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है।

गोमाताओं के लिए यह अमृत के समान लाभकारी होगा। इस परियोजना के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 75 लाख लीटर वर्षा जल का संरक्षण और उपयोग किया जा सकेगा, जिससे गौशाला में जल संकट का स्थायी समाधान मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान को समाज का अच्छा सहयोग मिल रहा है। अब तक 256 गौभक्तों और दानदाताओं से 3 लाख 75 हजार रुपए का सहयोग प्राप्त हो चुका है। गौशाला के कार्यकारी सदस्य कन्हैयालाल करवा ने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। गौशाला परिवार ने सभी गोभक्तों, समाजबंधुओं, उद्योगपतियों, व्यापारियों और नागरिकों से इस ऐतिहासिक परियोजना में सहयोग करने की अपील की है।

नर्मदेश्वर शिवलिंग और शिव परिवार मूर्ति स्थापना महोत्सव सम्पन्न

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर बागड़ा मंदिर में आयोजित श्री हरि हर नर्मदेश्वर शिवलिंग और शिव परिवार मूर्ति स्थापना महोत्सव के अंतिम दिन मुख्य पुजारी सुरेंद्र गौड़ और बृजमोहन सुरोलिया के सानिध्य में पूरे वैदिक मंत्रोच्चार और विभिन्न प्रकार की पूजन सामग्री के साथ विशालकाय नर्मदेश्वर शिवलिंग के साथ में शिव परिवार की बेहद मनमोहक मूर्तियों की स्थापना की गई। स्थापना की पूर्व रात्रि को आयोजित जागरण में कलाकार महेंद्र सैन और उनके साथी कलाकारों ने भगवान शिव के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए। जिससे उपस्थित श्रोता भाव विभोर होकर भक्ति में डूब गये। जागरण में समाज और मोहल्ले के अनेक लोगों और महिलाओं की देर रात्रि तक भागीदारी निभाई। मुख्य यजमान शांति देवी बूरा के आर्थिक सहयोग से निर्मित शिवालय को आकर्षक रूप में फूलों और रोशनी से सजाया गया और नाना प्रकार के फल, मिठाई का श्रृंगार करके भोग लगाया और शाम को प्रदोष काल में भगवान शिव का महा रुद्राभिषेक किया। श्री बागड़ा ब्राह्मण सेवा समिति के कोषाध्यक्ष गौतम बागड़ा ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के दामोदर प्रसाद बूरा, ओमप्रकाश बोहरा, लक्ष्मीनारायण बछेरा, विनोद बछेरा, मंत्री सतीश खोज, श्रवण लांबा, राजेंद्र प्रसाद खोज, संदीप बूरा, गौतम मेहता, खुशीराम माली एवं अन्य लोगों ने सहयोग किया।

राजस्थान भर में सफाई व्यवस्था ठप : सामूहिक अवकाश पर गए सफाई कर्मचारी

संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ का अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू

निसं

जयपुर (नवयत्न)। संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के आह्वान पर शनिवार से जयपुर सहित पूरे राजस्थान में सफाई कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश और कार्य बहिष्कार का व्यापक असर देखने को मिला। आंदोलन के पहले ही दिन राजधानी जयपुर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई। शहर के कई इलाकों में कचरे के ढेर लग गए, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण पूरी तरह प्रभावित रहा और सार्वजनिक स्थानों पर भी सफाई नहीं हो सकी। नगर निगम प्रशासन ने उपलब्ध संसाधनों और वैकल्पिक व्यवस्थाओं के जरिए सफाई व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया, लेकिन हालात सामान्य नहीं हो सके। संघ के अध्यक्ष नन्दकिशोर डंडोरिया के नेतृत्व में सफाई कर्मचारी सुबह अपने-अपने वार्डों की हाजरी गाहों पर एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया। सुबह नौ बजे संघर्ष समिति के नेतृत्व में छोटी चौपड़ पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान सफाई कर्मचारियों ने छोटी चौपड़, चौगान स्टेडियम चौराहा सहित विभिन्न स्थानों पर हुपर और ट्रैक्टरों से कचरा सड़क पर खाली कर सरकार और प्रशासन के खिलाफविरोध जताया, जिससे कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित हुआ। विभिन्न निजी संस्थानों में कार्यरत वाल्मीकि समाज के सफाई कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल रहे। जिससे वहां भी सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई। वहीं इस आंदोलन के पहले दिन कई कर्मचारियों को हड़ताल की जानकारी नहीं थी। संघर्ष समिति के सदस्यों ने ऐसे कर्मचारियों को आंदोलन की जानकारी देते हुए उन्हें कार्य बहिष्कार में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। यूनियन ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी छह सूत्रीय मांगों का समाधान नहीं होगा, तब तक सामूहिक अवकाश और सफाई कार्य का बहिष्कार जारी रहेगा। डंडोरिया ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में परंपरागत रूप से सफाई कार्य करने वालों को भर्ती में प्राथमिकता देना, न्यायालय के आदेश से पात्र पाए गए कर्मचारियों की नियुक्ति, ठेका प्रथा समाप्त करना, पूर्व एवं वर्तमान में सफाई कार्य कर रहे कर्मचारियों को प्राथमिकता देना तथा पहले वर्ष कुशल, दूसरे वर्ष अर्द्धकुशल मानते हुए दो वर्ष बाद कर्मचारियों को स्थायी करना शामिल है। उनका कहना है कि भर्ती प्रक्रिया यूनियन के साथ हुए पूर्व समझौतों के अनुरूप लागू की जाए। उन्होंने कहा कि इन मांगों को लेकर सफाई कर्मचारी लंबे समय से आंदोलन और भूख हड़ताल कर रहे थे, लेकिन समाधान नहीं निकलने पर अब कार्य बहिष्कार का रास्ता अपनाना पड़ा। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार की ओर से सकारात्मक निर्णय नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही दावा किया कि वाल्मीकि समाज में भारी आक्रोश है और यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र हो सकता है। आंदोलन को व्यापक बनाने के लिए संघर्ष समिति ने 28 जून को किशनगढ़, अजमेर और ब्यावर का दौरा करने की घोषणा की है। इसके अलावा रात्रि में वाल्मीकि समाज के जागरूक नागरिकों एवं संघर्ष समिति के सदस्य विभिन्न कॉलोनियों में जन-जागरण अभियान चलाकर अधिक से अधिक कर्मचारियों को आंदोलन से जोड़ेंगे। इधर राज्य सरकार ने सफाई कर्मचारी भर्ती का नया मॉडल तैयार किया है। इसके तहत चयनित अभ्यर्थियों की पहले संविदा आधार पर नियुक्ति होगी और पांच वर्ष तक कार्य का मूल्यांकन करने के बाद संतोषजनक प्रदर्शन पर नियमित किया जाएगा। स्वायत्त शासन विभाग के सचिव रवि जैन ने स्पष्ट किया कि भर्ती में किसी विशेष समाज को प्राथमिकता देने का कोई प्रावधान नहीं होगा। भर्ती प्रक्रिया सामान्य सरकारी नियमों और आरक्षण व्यवस्था के अनुरूप होगी तथा इसकी विज्ञप्ति शीघ्र जारी की जाएगी। नगर निगम जयपुर ग्रेटर और हेरिटेज से जुड़े इस आंदोलन के कारण प्रशासन पर एक ओर सफाई व्यवस्था बहाल करने तो दूसरी ओर कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र वार्ता कर समाधान निकालने का दबाव बढ़ गया है।

रेशु गुप्ता को आर्थिक सहायता देकर न्याय नहीं किया तो करेंगे मुख्यमंत्री निवास का घेराव : खाचरियावास

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में शनिवार को कलेक्ट्रेट सर्किल पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले के दौरान झुलसी रेशु गुप्ता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। खाचरियावास ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के काफिले के दौरान पुलिस की कार्रवाई में मोमोज का ठेला लगाने वाली रेशु गुप्ता गंभीर रूप से झुलस गई। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाने के बजाय मौके पर छोड़ दिया गया, जो अमानवीय और गंभीर लापरवाही का मामला है। उन्होंने सरकार से रेशु गुप्ता को तत्काल उचित आर्थिक सहायता, बेहतर चिकित्सा सुविधा, पुनर्वास तथा घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक पीड़िता की पर्याप्त सुध नहीं ली है। खाचरियावास ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र न्यायोचित कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी और प्रदेशव्यापी जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन में रेशु गुप्ता को न्याय, उचित मुआवजा और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी की गई। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष, नगर निगम पार्षद, कांग्रेस प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, वार्ड एवं मंडल अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अवैध हुक्का बार पर पुलिस का छापा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर शहर में अवैध रूप से संचालित हुक्का बारों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत श्याम नगर थाना क्षेत्र स्थित हैरो क्लब पर छापेमारी कर हुक्का बार के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। वहीं मौके पर हुक्का पीते मिले 19 लोगों के चालान भी किए गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि जिले में अवैध रूप से संचालित हुक्का बारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित किशोर शर्मा के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त सोडाला सुनील प्रसाद शर्मा के सुपरविजन में श्याम नगर थानाधिकारी दलबीर सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने थाना क्षेत्र स्थित अवैध रूप से संचालित हैरो क्लब हुक्का बार पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान हुक्का पीते मिले 19 लोगों के चालान किए गए, जबकि हुक्का बार के मैनेजर आफताब अली को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध हुक्का बारों के खिलाफअभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190